राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारित

सुरत-गुजरात,संस्करण मंगलवार, 22 फ़रवरी-2022 वर्ष-4,अंक-390 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

मोदी-योगी सरकार ने गैर-जिम्मेदाराना काम किया, जनता के दुख-दर्द से मुंह मोड़ा : सोनिया गांधी

रायबरेली । उत्तर प्रदेश में चौथे चरण के चुनाव के लिए प्रचार के अंतिम दिन कांग्रेस अध्यक्ष और रायबरेली से सांसद सोनिया गांधी ने पहली बार सोमवार को वर्चुअल रैली को संबोधित किया। अपने संबोधन में सोनिया गांधी ने योगी सरकार पर जबरदस्त तरीके से निशाना साधा। सोनिया गांधी ने कहा कि मोदी-योगी सरकार ने गैर-जिम्मेदाराना काम किया और जनता के दुख-दर्द से मुंह मोड़ा। आपने 5 साल ऐसी सरकार देखी जिसने अलगाव पैदा करने के अलावा कोई काम नहीं किया। किसान बहुत मेहनत से फसल उगाते हैं। न पैसे मिला न खाद मिली, सिंचाई की भी सुविधा नहीं है। सोनिया गांधी ने कहा कि 12 लाख से ज़्यादा सरकारी नौकरी पद खाली हैं लेकिन सरकार उन पदों को नहीं भर रही है। पेट्रोल, डीजल, रसोई गैस, सरसों के तेल के दाम इतने बढ़ गए हैं की घर चलाना मुश्किल हो गया है। रायबरेली से सांसद ने कहा कि हमने महिलाओं के लिए शक्ति विधान, युवाओं के लिए भर्ती विधान और उत्तर प्रदेश के विकास के लिए उन्नति विधान तैयार किया है। प्रियंका गांधी ने 40 फीसदी टिकट महिलाओं को दी हैं। उत्तर प्रदेश के हक की लड़ाई लड़ते हुए हमारे 18,000 कार्यकर्ता जेल भेजे गए। उन्होंने कहा कि लॉकडाउन के दौरान आपका व्यवसाय बंद था। मीलों चलने का दर्द आपने सहा। लेकिन मोदी-योगी सरकार ने गैर-जिम्मेदाराना काम किया और आपके दर्द के बावजूद उन्होंने मुंह फेर लिया और आंखें बंद कर लीं। सरकार ने आपको कोई राहत नहीं दी।

समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश के खिलाफ सैफई में दर्ज की गई एफआईआर

इटावा । उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव के तीसरे चरण में समाजवादी पार्टी (सपा) के मुखिया अखिलेश यादव पर चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन का मामला दर्ज किया गया है। उन पर मतदान केंद्र परिसर में ही पत्रकारों से बात करने के लिए आदर्श आचार संहिता और धारा-144 का उल्लंघन करने का आरोप है। दरअसल अखिलेश यादव ने रविवार को सैफई के अभिनव विद्यालय मतदान केंद्र पर मतदान करने आए थे और यहां पर उन्होंने मतदान केंद्र परिसर में ही मीडिया से बातचीत शुरू कर दी। इस मामले में भारतीय जनता पार्टी ने चुनाव आयोग को पत्र लिखकर अखिलेश यादव की शिकायत की थी। उधर, एसडीएम सैफई ज्योत्सना बंधु ने एक पत्र जारी करके इसे आचार संहिता उल्लंघन का मामला बताया था। उनके इस पत्र के बाद था थाना सैफई में देर रात धारा 130 और 188 के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। इससे पहले सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने पत्नी डिंपल यादव के साथ जसवंतनगर में मतदान किया था। मतदान के बाद उन्होंने मीडिया से बातचीत में सीएम योगी आदित्यनाथ पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि यूपी से बाबा मुख्यमंत्री की विदाई होने वाली है। यूपी के किसान उन्हें माफ नहीं करेंगे। यूपी सरकार द्वारा माफियाओं पर बुलडोजर चलाने को लेकर अखिलेश ने निशाना साधा। उन्होंने पूछा कि क्या किसानों को कुचलने वाले मंत्री के बेटे के यहां भी बुलडोजर जाएगा। उन्होंने कहा क्या आशीष मिश्रा के यहां बुलडोजर जाएगा, जिसने अपने वाहन से किसानों को कुचला था? क्या बुलडोजर लखीमपुर जाएगा।

केसीआर-उद्धव की भेंट पर भाजपा का कटाक्ष, कहा- बिना मिशन, विजन वाले बनना चाहते हैं प्रधानमंत्री

भाजपा सरकार

मुंबई । तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव और महाराष्ट्र के सीएम उद्धव ठाकरे की मुलाकात को लेकर गर्माई राजनीति को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने कटाक्ष किया है। भाजपा ने सोमवार को कहा कि सीएम राव ने राष्ट्रीय स्तर पर एक गैर-कांग्रेसी गठबंधन बनाने के लिए ठाकरे और एनसीपी प्रमुख शरद पवार से मुलाकात की। भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा, जिसके पास देश के लिए कोई विजन और मिशन नहीं है, वह रविवार को महाराष्ट्र में मिले। प्रधानमंत्री बनने की महत्वाकांक्षा रखने वाले अब एक साथ आ रहे हैं। लेकिन सवाल यह है कि कौन 2024 में भारत का पीएम बनना चाहता है, क्या यह ममता बनर्जी, राव या राहुल गांधी हैं? भाजपा नेता ने कहा कि महाराष्ट्र में महाविकास अघाड़ी सरकार में कांग्रेस की हालत खराब हो गई है। उन्होंने कहा, महाविकास अघाड़ी सरकार में कांग्रेस की हालत खराब हो गई है। शरद पवार और उद्धव ठाकरे पूरे देश में गैर-कांग्रेस गठबंधन बनाने के लिए तेलंगाना के मुख्यमंत्री से मिल रहे हैं। इसलिए ऐसा मालूम होता है कि बैठक में कांग्रेस के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पारित किया गया। गौरतलब है कि महाराष्ट्र में शिवसेना, राकांपा और कांग्रेस गठबंधन में हैं। यह बैठक तब हुई जब तेलंगाना के सीएम ने विपक्षी दलों को भाजपा के खिलाफ एकजुट होने की अपील की।

शिवसेना के मुखपत्र में रविवार को कहा गया कि बैठक से भाजपा के खिलाफ राष्ट्रीय स्तर पर राजनीतिक एकता की प्रक्रिया तेज होगी। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ने इससे पहले भाजपा पर निशाना साधा था और कहा था कि इसे देश से निष्कासित कर देना चाहिए, नहीं तो देश बर्बाद हो जाएगा। उन्होंने भाजपा को सत्ता से बाहर करने के लिए राजनीतिक ताकतों को एकसाथ आने का भी आह्वान किया। भाजपा के खिलाफ विभिन्न विपक्षी दलों को एकसाथ लाने के प्रयासों के तहत मुख्यमंत्री केसीआर पश्चिम बंगाल की अपनी समकक्ष ममता बनर्जी से मिलने की भी योजना बना रहे हैं।

भाजपा के खिलाफ विभिन्न विपक्षी दलों को एकसाथ लाने के प्रयासों के तहत मुख्यमंत्री केसीआर पश्चिम बंगाल की अपनी समकक्ष ममता बनर्जी से मिलने की भी योजना बना रहे हैं।

अनुराग ठाकुर का अखिलेश यादव पर तंज

अयोध्या । भाजपा नेता व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने सोमवार को सपा प्रमुख अखिलेश यादव पर तंज कसा। बांदा में ठाकुर ने कहा, इस बार की लहर बताती है कि बुंदेलखंड में कमल ही खिलने वाला है। अखिलेश जी सात चरणों के बाद भी 100 भी पार नहीं कर पाएंगे और 10 मार्च को उनका बयान होगा कि ईवीएम बेवफा है। वह करहल से भी हारेंगे। सपा का गुंडा राज, माफिया राज और आतंकियों से मिलीभगत को लोग स्वीकार नहीं करेंगे। अखिलेश यादव ने रविवार को भाजपा पर तंज कसते हुए कहा था कि जैसे-जैसे चुनाव आगे बढ़ रहा है, वैसे-वैसे भाजपा शून्य की ओर बढ़ती जा रही है और सातवें चरण तक पार्टी के बूथ पर भूत नाचते नजर आएंगे। सपा अध्यक्ष ने बाराबंकी, अयोध्या और उन्नाव में पार्टी प्रत्याशियों के समर्थन में चुनावी जनसभाओं को संबोधित किया और उन्हें जिताने की पुरजोर अपील की। उन्होंने कहा कि हर वर्ग के साथ अन्याय और अत्याचार हो रहा है। जनता चुनाव में इन्हें सबक सिखा रही है। अब साइकिल की रफ्तार को कोई रोक नहीं सकता है। अखिलेश ने दावा किया कि उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के पहले और दूसरे चरण में भाजपा का सफाया हो चुका है और पार्टी के नेता, कार्यकर्ता ठंडे पड़ गए हैं। उन्होंने कहा, जैसे-जैसे मतदान होता जा रहा है, भाजपा के नेता ठंडे पड़ते जा जा रहे हैं, क्योंकि उनकी समझ में नहीं आ रहा कि जनता के या चाहती है। प्रदेश में नौजवान नौकरी चाहता है, जनता महंगाई से निजात चाहती है, किसान अपनी फसलों की कीमत चाहता है और भाजपा के नेता इस पर बात नहीं करते हैं। किसान अपनी फसलों की कीमत चाहता है और भाजपा के नेता इस पर बात नहीं करते हैं।

आतंक के मुद्दे पर प्रियंका ने पीएम मोदी पर किया पलटवार, कहा फिजूल की बातों का जवाब देना जरुरी नहीं

लखनऊ । उत्तर प्रदेश में तीन चरण के चुनाव संपन्न हो चुके हैं और बाकी के चार चरणों के लिए घमासान तेज हो गया है। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आतंकियों के प्रति सहानुभूति रखने वाले बयान पर पलटनार करते हुए कहा कि उनकी फिजूल की बातों का जवाब देना जरूरी नहीं है। दरअसल, प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि कांग्रेस और समाजवादी पार्टी (सपा) आतंकवादियों के प्रति सहानुभूति रखती हैं। उल्लेखनीय है कि अहमदाबाद ब्लास्ट केस में गुजरात की एक अदालत द्वारा सजा सुनाए जाने के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सपा पर हमला तेज कर दिया है। इसके साथ ही भाजपा ने एक तस्वीर भी दिखाई, जिसमें सपा प्रमुख अखिलेश यादव अहमदाबाद ब्लास्ट केस के दोषी के परिवार के एक सदस्य के साथ दिखाई दे रहे हैं। ऐसे में प्रधानमंत्री मोदी ने सपा के साथ-साथ कांग्रेस को भी निशाने पर लिया और उसे आतंकवादियों के प्रति सहानुभूति रखने वाला बताया। कांग्रेस की उत्तर प्रदेश इकाई ने ट्विटर पर पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा का वीडियो साझा कर लिखा कि प्रधानमंत्री के इन फिजूल की बातों का जवाब देना मैं जरुरी नहीं समझती हूं। प्रियंका गांधी ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि हम इस चुनाव में सिर्फ विकास की बातें कर रहे हैं, हम गर्मी और चर्बी की बात नहीं, भर्ती की बात कर रहे हैं। हम स्कूटी और मोबाइल देकर महिलाओं को सशक्त बनाना चाहते हैं। हम गर्मी और चर्बी की बात नहीं, भर्ती की बात कर रहे हैं। हम स्कूटी और मोबाइल देकर महिलाओं को सशक्त बनाना चाहते हैं।

लखीमपुर खीरी कांड के पीड़ित परिवारों ने सुप्रीम कोर्ट से की आशीष की बेल रद्द करने की मांग

नई दिल्ली । उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी में मारे गए किसानों के परिवारों ने सुप्रीम कोर्ट से आरोपी आशीष मिश्रा की जमानत खारिज करने की गुहार लगाई है। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा टेनी के पुत्र आशीष मिश्रा पर किसानों की हत्या करवाने का आरोप है। मामले में उनकी गिरफ्तारी भी हुई, हालांकि पिछले दिनों वो बेल पर जेल से रिहा हो गए। आशीष मिश्रा को अदालत ने उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के पहले चरण के मतदान से ठीक पहले जमानत दी थी। हालांकि, रिहाई की प्रक्रिया में कुछ दिनों का समय लगा और वह 15 फरवरी को जेल से बाहर आ सका। इस मामले पर खूब राजनीति भी हुई। विपक्ष ने आरोप लगाया कि वोटिंग से ठीक पहले आशीष मिश्रा को जमानत दिए जाने का निहित संदेश है। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने भी कहा कि जिसने किसानों को गाड़ी से कुचला, वो अब खुला घूमेगा। ध्यान रहे कि बीते साल तीन अक्टूबर को लखीमपुर खीरी के तिकुनिया में हुई घटना में चार किसान, एक पत्रकार, एक ड्राइवर और दो भाजपा कार्यकर्ता की मौत हो गई थी। इस मामले की जांच के लिए एसआईटी का गठन किया जिसने आशीष मिश्रा उर्फ मोनू समेत 15 आरोपियों के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया।

देश के डिजिटलीकरण में सहयोगी बनेंगे कोटेदार, राशन की दुकानों पर मिलेगी ऑनलाइन सुविधाएं

नई दिल्ली । देश में सरकारी राशन की दुकानों पर अब केवल लोगों को राशन ही नहीं मिलेगा, बल्कि इन पर डिजिटल और वित्ते तीय काम भी होगा। जल्े द ही लोग इन राशन की दुकानों से ट्रेन टिकट बुकिंग से लेकर पैसा ट्रांसफर करने जैसे काम करवा पाएंगे। ऐसा केंद्र सरकार की सामान्े य सेवा केंद्रों (सीएससी) को राशन की दुकानों से जोड़ने की योजना से होगा। इस कदम से राशन की दुकान चलाने वाले कोटेदारों को जहां कमाई के अतिरिक्त मौके मिलेंगे, वहीं लोगों को भी घर के पास ही डिजिटल सेवाएं उपलब्े ध होंगी। केंद्र सरकार का इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय राशन की दुकानों के जरिए देश के हर कोने तक डिजिटल और वित्ते तीय सेवाएं पहुंचाने की योजना पर काम कर रहा है। मंत्रालय के प्रयास एक साल में देश में 10 हजार से अधिक सामान्य सेवा केंद्रों (सीएससी) को राशन की दुकानों से जोड़ने का है। फिलहाल देश में 8 हजार सीएससी राशन की दुकानों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। उत्तराखंड, गुजरात, हिमाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश, झारखंड, राजस्थान और तमिलनाडु में स्थित राशन की दुकानों से वित्तीय सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

तीन साल बाद पीएम मोदी 24 फरवरी को अमेठी में करेंगे रैली चल रही खास तैयारी

अमेठी । तीन 2019 के बाद आगामी 24 फरवरी को एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अमेठी में होंगे। प्रधानमंत्री अमेठी के उसी सम्राट मैदान पर एक जनसभा को संबोधित करेंगे जहां वह 3 साल पहले आए थे। प्रधानमंत्री के कार्यक्रम को लेकर तैयारियां शुरू हो गई हैं। विधानसभा चुनाव में अमेठी जिले में प्रधानमंत्री की पहली रैली होगी। इस रैली में अमेठी की सभी विधानसभा क्षेत्रों के साथ ही सुल्तानपुर विधानसभा क्षेत्र के लोग भी शामिल होंगे। प्रधानमंत्री के कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए संगठन स्तर से तैयारियां शुरू हो गई हैं। एक दिन पहले ही पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री बीएल संतोष ने जिले का दौरा कर जिम्मेदारों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त पार्टी के कई अन्य उच्च पदस्थ लोग भी अमेठी जिले में डेरा डाले हुए हैं। प्रधानमंत्री के कार्यक्रम को लेकर जिला प्रशासन भी तैयारियों में जुट गया है। सम्राट मैदान में हेलीपैड को दुरुस्त करने के साथ ही सुरक्षा संबंधी अन्य तैयारियां की जा रही हैं। डीएम राकेश कुमार मिश्र व एसपी दिनेश सिंह ने जिम्मेदार अधिकारियों के साथ बैठक कर प्रधानमंत्री के कार्यक्रम को लेकर रूपरेखा तैयार की।

राहुल गांधी ने इंफाल मे मोदी पर साधा निशाना,

कोविड के लिए पीएम का समाधान था, थाली बजाओ :राहुल

इंफाल । पूर्वोत्तर राज्य मणिपुर में 28 फरवरी को पहले चरण का मतदान है। पहले चरण के मतदान से पहले प्रचार के लिए कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी इंफाल पहुंचे। जहां उन्होंने जनसभा को संबोधित करते हुए केंद्र की भाजपा सरकार पर निशाना साधा और कहा कि , कोविड के लिए पीएम का समाधान था थाली बजाओ। राहुल गांधी ने इस दौरान बीजेपी से लेकर राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ पर भी जमकर निशाना साधा। राहुल ने कहा कि भाजपा का विजन, विचारधारा, विचार और भाषा है जो अन्य सभी विचारों, भाषाओं और विचारधाराओं से श्रेष्ठ है। जब भाजपा और आरएसएस मणिपुर आते हैं तो वे इस समझ के साथ नहीं आते। उनमें श्रेष्ठता की भावना आती है। मैं श्रेष्ठता की भावना से नहीं विनम्रता के साथ आता हूं। राहुल गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री ने 2014 में खूब वायदे किए थे लेकिन वह अब 2 करोड़ रोज़गार, 15 लाख रुपये देने की बात, किसान की आय दोगुनी करने की बात, नोटबंदी और गलत तरह से जीएसटी लागू करने की बातें क्यों नहीं करते हैं? मणिपुर की जनता यह सवाल उनसे पूछें जब वह यहां आएं। कोविड के दौरान भाजपा की कार्रवाइयों ने छोटे व्यवसायों को चोट पहुंचाई है। भारत की अर्थव्यवस्था की कमर तोड़ दी गई। सत्ता में आने पर कांग्रेस मणिपुर में एमएसएमई क्षेत्र को पुनर्जीवित करेगी। हम खाद्य प्रसंस्करण और पर्यटन पर ध्यान केंद्रित करेंगे। बता दें कि मणिपुर में दो चरणों में मतदान है। हम खाद्य प्रसंस्करण और पर्यटन पर ध्यान केंद्रित करेंगे। बता दें कि मणिपुर में दो चरणों में मतदान है। 28 फरवरी को पहले चरण और 5 मार्च को दूसरे चरण का मतदान होना है। मतों की गिनती 10 मार्च को होगी। बीजेपी भी चुनाव प्रचार में अपनी ताकत दिखा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और सर्बानंद सोनोवाल मंगलवार को राज्य में प्रचार करने वाले हैं। मणिपुर भाजपा प्रमुख ए शारदा देवी ने कहा कि मोदी के पास मणिपुर और पूर्वोत्तर के लिए उचित योजना और कड़ी निगरानी के साथ इसके क्रियान्वयन के लिए एक दृष्टिकोण है।

शाह तय करते हैं बसपा के टिकट हिंदू-मुस्लिम पर भी कही बड़ी बात: ओम प्रकाश राजभर

लखनऊ । उत्तर प्रदेश में विधानसभा के चौथे चरम से पहले आरोप-प्रत्यारोप चरम पर पहुंच गया है। हरदोई के संडिला में समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव के साथ जनसभा को संबोधित करते हुए सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के प्रमुख ओम प्रकाश राजभर ने बीजेपी के साथ ही बसपा पर भी बड़ा प्रहार किया है। ओपी राजभर ने आरोप लगाया कि बहुजन समाज पार्टी के लोग बीजेपी को जितवाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि बसपा के टिकट बीजेपी के पूर्व अध्यक्ष अमित शाह तय करते हैं। राजभर ने यह भी कहा कि बीजेपी हिंदुओं को खतरे में बताते हैं, मुसलमान इस्लाम को खतरे में बताता तो बात थी। ओपी राजभर ने कहा, कांग्रेस कहीं मुकाबले में दिख रही है क्या? बहुजन समाज पार्टी (बसपा) कहीं मुकाबले में दिख रही है क्या? बसपा के लोग बीजेपी की सरकार बनाने को परेशान है। बसपा का टिकट अमित शाह के कमरे में तय होता है और सिंबल बसपा के दफ्तर में मिलता है। राजभर ने आगे कहा, अभी भाजपा के लोग आते होंगे और कहते होंगे कि हिंदू खतरे में हैं। देश का राष्ट्रपति हिंदू, प्रधानमंत्री हिंदू, गृहमंत्री हिंदू, रक्षामंत्री हिंदू, मुख्यमंत्री हिंदू, मुसलमान कहता कि इस्लाम खतरे में तो बात बनती। 60 साल से हिंदू खतरे में नहीं था, जब से बीजेपी सत्ता में आई है तभी से हिंदू खतरे में है।

सपा ने घोषणा पत्र में किया आतंकियों को छोड़ने का वादा, कांग्रेस ने कमजोर की आतंक से लड़ाई : शाह

पीलीभीत । भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के चाणक्य माने जाने वाले गृहमंत्री अमित शाह ने उत्तर प्रदेश के पीलीभीत में चुनाव प्रचार के अंतिम दिन समाजवादी पार्टी को अपने निशाने पर तो रखा ही कांग्रेस पर भी हमला बोला। उन्होंने पीलीभीत में भाजपा प्रत्याशियों के पक्ष में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए सपा और कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। उल्लेखनीय है कि पीलीभीत में 23 फरवरी को मतदान होना है। अमित शाह ने कहा कि समाजवादी पार्टी तो उत्तर प्रदेश में आतंकियों के साथ है। सपा ने आतंकियों को छोडने् का घोषणा पत्र में वादा किया था। उन्होंने जनता से सवाल किया कि क्या आतंकियों को समर्थन देने वालों को वोट देना चाहिए। अमित शाह ने कहा सपा तथा कांग्रेस ने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई को कमजोर किया है। उन्होंने कहा कि हमारा संकल्प आतंकवाद फैलाने वालों को देश दुनिया से मूल से उखाड़ फेंकना है। प्रियंका गांधी कहती हैं कि आतंकवाद फिजूल बात है। इस पर रोक लगाना फिजूल है। उनके नेता सलमान खुर्शीद कहते हैं, अहमदाबाद धमाके में पकड़े गए लोग निर्दोष हैं। अमित शाह ने कहा कि पीलीभीत वालो तीन चरण का परिणाम बताऊं। इसमें सपा तथा बसपा का सूपड़ा साफ हो चुका। कांग्रेस तो दूरबीन से भी दिखाई नहीं पड़ती। अमित शाह ने कहा कि भाजपा सरकार ने पांच वर्ष तक गरीब कल्याण, कानून व्यवस्था, युवाओं के लिए जो काम किए हैं, उससे भाजपा की लहर है। सातवें चरण तक यह लहर सुनामी में बदल जाएगी। इससे पहले अमित शाह ने कहा कि राजा मोरध्वज की पावन धरती पर मैं आपका स्वागत करता हूं। सिखों के बलिदान को सम्मान देने का काम पीएम नरेन्द्र मोदी ने किया है। अमित शाह ने कहा जब पीएम मोदी प्रधानमंत्री बनने के लिए चुने गए, तब उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार गरीबों, पिछड़ो व दलितों की सरकार है। हम उसी को आगे बढ़ाने का काम करते हैं। क्या सपा, बसपा या कांग्रेस ने कभी गैस सिलिंडर गरीब के घर नहीं पहुंचाया। भाजपा सरकार ने गैस सिलिंडर, शौचालय, आवास, बिजली देकर सम्मान दिया है। आपके जीवन से अंधियारा मिटाने का काम भाजपा कर रही है। आपके घरों में 24 घण्टे बिजली आ रही है। सपा सरकार में कभी 24 घंटे बिजली नहीं आई। हमने 15 करोड़ गरीबों को 5 लाख तक का स्वास्थ्य खर्चा उठाकर राहत दी है। क्या सपा, बसपा या कांग्रेस ने कभी गैस सिलिंडर गरीब के घर नहीं पहुंचाया। भाजपा सरकार ने गैस सिलिंडर, शौचालय, आवास, बिजली देकर सम्मान दिया है। आपके जीवन से अंधियारा मिटाने का काम भाजपा कर रही है। आपके घरों में 24 घण्टे बिजली आ रही है। सपा सरकार में कभी 24 घंटे बिजली नहीं आई। हमने 15 करोड़ गरीबों को 5 लाख तक का स्वास्थ्य खर्चा उठाकर राहत दी है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुविचार

यह व्यक्ति की स्वयं की सोच ही होती है जो उसे बुराइयों की ओर ले जाती है ना कि उसके दुश्मन की - गौतम बुद्ध

संपादकीय

वैक्सीन का असर

पिछले तकरीबन दो साल में जिस शब्द ने दुनिया को सबसे ज्यादा उलझाए रखा, वह है वैक्सीन। सरकारों ने इसे हासिल करने के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगाया, दुनिया के कोने-कोने में इसकी आपूर्ति के लिए बनी व्यवस्थाओं ने दिन-रात एक कर दिया, अपना जीवन जोखिम में डालकर चिकित्साकर्मी वैक्सीनेशन के काम में जुटे और लोगों ने इसे लगवाने के लिए लंबी-लंबी लाइनें लगाईं। यहां पर हमने इन वैक्सीन की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी वैज्ञानिकों को छोड़ दिया है, क्योंकि बाकी ने तो अपने काम को अंजाम तक पहुंचाकर चैन की सांस ले ली है, पर वैज्ञानिकों को यह मौका अभी भी नहीं मिला। वे वैज्ञानिक ही हैं, जो इस काम में सबसे पहले जुटे थे और वे वैज्ञानिक ही हैं, जो अभी तक इसमें जुटे हैं। वे वैज्ञानिक ही थे, जिन्होंने अपनी सक्रियता से सबसे पहली उम्मीद की किरण दिखाई थी, और वे वैज्ञानिक ही हैं, जिनकी सक्रियता तब तक जारी रहने वाली है, जब तक हम पूरी तरह आश्वस्त नहीं हो जाते। दुनिया में वैक्सीन और उसके प्रभावों को लेकर जितना काम पिछले दो साल में हुआ है, उतना शायद पहले कभी नहीं हुआ। इसीलिए पिछले कुछ दिनों में ऐसे कई शोध सामने आए हैं, जो महामारी को लेकर प्राकृतिक प्रतिरोधक क्षमता और वैक्सीन की प्रतिरोधक क्षमता के बारे में हमारी कई शंकाओं का निवारण करते हैं। यह सवाल काफी समय से खड़ा किया जा रहा है कि वैक्सीन ज्यादा प्रभावी है या हर्ड इम्युनिटी। परंपरागत सोच कहती है कि प्राकृतिक प्रतिरोधक क्षमता का विकसित होना वैक्सीन के मुकाबले ज्यादा महत्वपूर्ण है। इसलिए जिस किसी को भी कोविड हुआ, डॉक्टर उसके कुछ समय बाद तक वैक्सीन न लगवाने की सलाह देते रहे। सोच यह थी कि ऐसी स्थिति में वैक्सीन की तुरंत जरूरत नहीं है। पर जो नए शोध सामने आ रहे हैं, वे कुछ और कहानी कहते हैं। वाशिंगटन यूनीवर्सिटी स्कूल ऑफ मेडिसिन का शोध बताता है कि यदि आपके पास प्राकृतिक प्रतिरोधक क्षमता है, तब भी आपको वैक्सीन की जरूरत है। शोध में पाया गया है कि बड़े पैमाने पर एंटीबॉडी बनाने के लिए शरीर को काफी ऊर्जा की जरूरत होती है। यह काम शरीर लंबे समय तक नहीं कर सकता, इसलिए वह जल्द उनकी संख्या कम कर देता है। इसलिए जरूरी है कि बाहर से एंटीबॉडी ली जाएं, और यह काम वैक्सीन ही कर सकती है। दूसरी तरफ, स्टैनफोर्ड मेडिसिन के वैज्ञानिकों ने पाया है कि कोविड का टीका लगवाने के कारण शरीर की वे लसिका ग्रंथियां काफी सक्रिय हो जाती हैं, जो एंटीबॉडी के निर्माण में सहायक होती हैं। जबकि तेल अवीव विश्वविद्यालय का एक अध्ययन बता रहा है कि जिन लोगों ने वैक्सीन लगवाई, उनमें दोबारा कोविड होने की आशंका 0.4 फीसदी पाई गई, जबकि जिन्होंने नहीं लगवाई, उनमें यह आशंका 3.3 फीसदी मिली। इस शोध के लिए 83 हजार से ज्यादा मरीजों का अध्ययन किया गया। इन शोध से हम यह भी समझ सकते हैं कि कोविड की तीसरी लहर भारत और बाकी दुनिया में इतनी आसानी से कैसे निपट गई। ये अध्ययन उस समय आए हैं, जब विश्व स्वास्थ्य संगठन लगातार चेतावनी दे रहा है कि अभी कोविड की पाबंदियों में बहुत ज्यादा ढील देने का वक्त नहीं आया है। मास्क, सामाजिक दूरी और टीकाकरण के मामले में तो सतर्कता अभी भी बहुत जरूरी है।

आज के कार्टुन

सकारात्मक सोच

जग्गी वासुदेव

दुनिया में बहुत सारे लोग 'सकारात्मक सोच' के बारे में बात करते हैं। जब आप सकारात्मक सोच की बात कर रहे हैं तो एक अर्थ में आप वास्तविकता से दूर भाग रहे हैं। आप जीवन के सिर्फ एक पक्ष को देखना चाहते हैं और दूसरे की उपेक्षा कर रहे हैं। आप तो उस दूसरे पक्ष की उपेक्षा कर सकते हैं, लेकिन वो आप को नजरअंदाज नहीं करेगा। अगर आप दुनिया की नकारात्मक बातों के बारे में नहीं सोचते तो आप एक तरह से मूखरे के स्वर्ग (अवास्तविक दुनिया) में जी रहे हैं और जीवन आप को इसका सबक अवश्य सिखाएगा। अभी, मान लीजिए, आकाश में गहरे काले बादल छाए हैं। आप उनकी उपेक्षा कर सकते हैं मगर वे ऐसा नहीं करेंगे। जब वे बरसेंगे तो बस बरसेंगे। आप को भिगोएंगे तो भिगोएंगे ही। आप इसे नजरंदाज कर सकते हैं और सोच सकते हैं कि सबकुछ ठीक हो जाएगा- इसकी थोड़ी मनोवैज्ञानिक और सामाजिक प्रासंगिकता हो सकती है पर अस्तित्व, वास्तविकता की दृष्टि से यह सुसंगत नहीं होगा। यह सिर्फ एक सांत्वना होगी। वास्तविकता से अवास्तविकता की ओर बढ़ते हुए, आप अपने आप को सांत्वना, धीरज दे सकते हैं। इसका कारण यह है कि आप को कहीं पर ऐसा लगता है कि आप वास्तविकता को संभाल नहीं सकते। और शायद आप नहीं ही संभाल सकते, अत- आप इस सकारात्मक सोच के वशीभूत हो जाते हैं कि आप नकारात्मकता को छोड़ना चाहते हैं और सकारात्मक सोचना चाहते हैं। या, दूसरे शब्दों में कहें तो आप नकारात्मकता से दूर जाना, उसका परिहार करना चाहते हैं। आप जिस किसी चीज का परिहार करना चाहें, वही आप की चेतना का आधार बन जाती है। आप जिसके पीछे पड़ते हैं, वह आप की सबसे ज्यादा मजबूत बात नहीं होती। आप जिससे दूर जाना चाहें, वो ही आप की सबसे मजबूत बात हो जाएगी। वो कोई भी, जो जीवन के एक भाग को मिटा देना चाहता है और दूसरे के ही साथ रहना चाहता है, वह अपने लिये सिर्फ दुख ही लाता है। सारा अस्तित्व ही द्वंद्वों के बीच होता है। आप जिसे सकारात्मक और नकारात्मक कहते हैं, वो क्या है? पुरुषत्व और स्त्रीत्व, प्रकाश और अंधकार, दिन और रात। जब तक ये दोनों न हों, जीवन कैसे होगा? यह कहना वैसा ही है जैसे आप कहें कि आप को सिर्फ जीवन चाहिए, मृत्यु नहीं। लेकिन ऐसा कुछ नहीं होता। मृत्यु है इसीलिये जीवन है।

सद्व्रतः आयुर्विज्ञान का आचार शास्त्र

- हृदयनारायण दीक्षित

भारतीय परम्परा में ज्ञान-विज्ञान के बीज हैं। यहाँ प्राचीनकाल में सुव्यवस्थित आयुर्विज्ञान का विकास हुआ था। अथर्ववेद स्वास्थ्य विज्ञान से भरा पूरा है। चरक संहिता आयुर्विज्ञान का प्रमुख ग्रन्थ है। यह वैदिक आयुर्विज्ञान का विकास है। प्रसन्नता की बात है कि नेशनल मेडिकल कमीशन ने देश के मेडिकल शिक्षण संस्थानों को पत्र लिखकर सुझाव दिया है कि मेडिकल शिक्षण संस्थान चिकित्सकों को पुरानी शपथ की जगह पर चरक संहिता में उल्लिखित शपथ दिलायें। अभी तक ली जाने वाली शपथ को हिप्पोक्रेटस शपथ कहलाती है। हिप्पोक्रेटस यूनान के प्रमुख विद्वान थे और पाश्चात्य चिकित्सा शास्त्र के जन्मदाता थे। चिकित्सक अपोलो, असलेपियस और हाजिया तथा पैनेसिया और सभी देवी-देवताओं का नाम लेकर शपथ लेते थे कि मैं अपनी योग्यता और क्षमता के अनुसार पूरी जिम्मेदारी से चिकित्सा करूँगा। अपोलो ग्रीक और रोमन धर्म के प्रमुख देवता थे। वह प्रकाश, कविता, नृत्य, संगीत, चिकित्सा आदि के देव थे। उन्हें आदर्श पुरुष सौंदर्य और जीवन का प्रतिनिधि देवता माना जाता है। इसी तरह हाजिया ग्रीक में स्वास्थ्य व स्वच्छता की देवी कहलाती है। उनका नाम स्वच्छता शब्द से जुड़ा हुआ है। वे ग्रीक के औषधि विज्ञान के देवता एसक्लिपस से संबंधित है। वे ओलम्पियन ईश्वर अपोलो के पुत्र हैं। पैनेशिया सार्वभौमिक निदान की देवी कही जाती है। यह एसक्लिपस की पुत्री हैं। पेनीशिया और उसकी चार बहनों ने अपोलो द्वारा प्रतिपादित पहलुओं पर कार्य किया है। एसक्लिपस ग्रीक में औषधि के देवता बताये गये हैं। वे अपोलो के पुत्र थे। यह औषधि, उपचार, कायाकल्प एवं चिकित्सा के बड़े देवता हैं। नेशनल मेडिकल कमीशन ने इस शपथ की जगह चरक संहिता से उद्धृत शपथ का प्रारूप जारी किया है। इसी शपथ में कहा गया है कि मैं अपने लिए और न ही अपनी भौतिक उपलब्धि के लिए या अपनी इच्छा की पूर्ति के लिए उपचार नहीं करूँगा। मैं समस्त पीड़ित मानवता के शुभ स्वास्थ्य के लिए काम करूँगा।'' औषधि विज्ञान का मूल उद्देश्य केवल रोगी की चिकित्सा करना नहीं है उसे मनुष्यों को स्वस्थ रहने का मार्गदर्शन भी करना चाहिए। चरक संहिता में स्वस्थ रहने के नियमों का उल्लेख है। चरक ने आदर्श चिकित्सक के लिए कहा है कि, ''उसे विद्या आदि सभी सद्गुणों से युक्त होना चाहिए।'' चरक ने धन लोभ को निन्दनीय बताया है, लिखा है, ''सर्प का विष खाकर प्राण गंवाना या उबले हुए ताम्र पात्र का जल पीकर शरीर नष्ट कर देना या अग्नि में तपाये हुए लोहे के गोले खा लेना अच्छा है लेकिन शरण में आये हुए पीड़ित रोगियों से धन लेना अच्छा नहीं है।'' वैदिक पूर्वज 100 वर्ष का स्वस्थ जीवन चाहते थे। उन्होंने मनुष्य और प्रकृति का गहन अध्ययन किया। आयुर्विज्ञान गढ़ा। अथर्ववेद में आयुर्विज्ञान के तमाम सूत्र व औषधियों का वर्णन हैं। भारतीय चिन्तन में वैज्ञानिक भौतिकवाद की अनेक धाराएँ थीं। लेकिन विदेशी विद्वानों ने भारतीय चिन्तन को भाववादी बताया। प्राक् भारतीय विज्ञान की उपेक्षा हुई। निःसन्देह आधुनिक चिकित्सा विज्ञान ने उल्लेखनीय प्रगति की है। लेकिन पीछे 20-25 वर्ष से दोनों के अनुभवी विद्वानों में आयुर्वेद का प्रभाव बढ़ा है। आधुनिक चिकित्सा महँगी है। प्राचीन काल में प्रदूषणजनित रोग नहीं थे। फिर रोग बढ़े। 'चरक संहिता' के अनुसार सैकड़ों बरस पहले रोग बढ़े। ऋषियों ने हिमालय के सुन्दर स्थान में सभा बुलाई। रोगों की वृद्धि पर विमर्श हुआ। तय हुआ कि भरद्वाज इन्द्र से रोग दूर करने की जानकारी करें। इन्द्र ज्ञात इतिहास के पात्र नहीं हैं। वे प्रकृति की शक्ति हैं। अर्थ यह हुआ कि भरद्वाज तमाम विद्वानों से ज्ञान लेकर सभा को बतायें। भरद्वाज ने आयुर्वेद का ज्ञान आत्रेय को बताया और आत्रेय ने अग्निवेश को। इसी संवाद का मूल चरक संहिता है। स्वस्थ शरीर से ही जीवन के सभी सुखों की पूर्ति है। वैदिक ऋषियों के लिए यह संसार असार नहीं है। यह कर्मक्षेत्र, तपक्षेत्र व धर्मक्षेत्र है। इनमें सक्रियता के लिए स्वस्थ शरीर और दीर्घजीवन अपरिहार्य है। जन्म से लेकर मृत्यु तक का समय आयु हैं। आयु का सम्यक् बोध जीवन यात्रा में उपयोगी है। चरक संहिता में आयुर्वेद की परिभाषा है ''जो स्वस्थ आयु का ज्ञान कराता है, वह आयुर्वेद है। आयुर्वेद आयु का वेद है। आयुर्वेद आयु का उपदेश करता है। यह सुखकारी-असुखकारी पदार्थों का वर्णन करता है। हितकारी और अहितकारी पदार्थों का उपदेशक है। आयुवर्द्धक और आयुनाशक द्रव्यों के गुणधर्म का वर्णन करता है।'' (चरक संहिता, सूत्र स्थान, 30.23) यहाँ आयुर्वेद का लक्ष्य भी बताते हैं, ''स्वस्थ्य प्राणी के स्वास्थ्य की रक्षा और रोगी के रोग की शान्ति आयुर्वेद का उद्देश्य है।'' आधुनिक चिकित्सा विज्ञान में दीर्घ आयु और स्वस्थ जीवन विधायी मूल्य नहीं हैं। भारतीय आयुर्विज्ञान का जोर स्वस्थ जीवन और दीर्घ आयु पर है। आधुनिक चिकित्सा विज्ञान की गति रोगरहित जीवन तक सीमित है। रोगरहित जीवन और स्वास्थ्य में आधारभूत अन्तर है। रोगी काया में जीवन वीणा में संगीत नहीं उगता। स्वास्थ्य परम भौतिक आधार है। यही अध्यात्म और आत्मदर्शन का उपकरण है। पूर्वजों ने स्वस्थ दीर्घायु के इस विज्ञान को आयुर्वेद कहा था। प्राचीन आयुर्विज्ञान एक जीवनशैली है। चरक संहिता की शुरूआत स्वस्थ जीवन के सूत्रों से होती है। कहते हैं कि ''यहाँ बताये स्वस्थवृत का पालन करने वाले 100 वर्ष की स्वस्थ आयु पाते हैं।'' प्रकृति और मन की अनुकूलता का नाम सुख है। इसके विपरीत दुख। चरक संहिता में इसकी परिभाषा और भी सरल है, ''आरोग्यावस्था सुख है, विकार अवस्था दुख। दुख का मूल कारण रोग हैं।'' यहाँ कोई आध्यात्मिक या भाववादी दर्शन नहीं हैं। चरक संहिता में रोगों के तीन कारण बताये गये हैं- ''इन्द्रिय विषयों का अतियोग, अयोग और मिथ्या योग ही रोगों के कारण हैं।'' आगे उदाहरण देते हैं, 'जैसे आँखों से तीव्र चमकने वाले पदार्थ देखना, सूर्य अग्नि आदि को अधिक देखना अतियोग है।'' चरक संहिता में वैद्य की योग्यता के साथ संवेदनशीलता पर भी जोर है। चरक संहिता में पृथ्वी, जल, वायु, आकाश, अग्नि, देश, काल और मन के साथ आत्मा को भी द्रव्य बताया गया है। चरक का आत्मा द्रव्य गीता वाली अमर आत्मा से भिन्न है। रोग रहित होना अलग बात है और स्वस्थ होना बिल्कुल भिन्न आनन्द। चरक ने बताया है कि स्वस्थ होना सुख है और रोगी होना दुख। आयुर्वेद में वात, पित्त और कफ तीन दोष हैं। सत्व, रज और तम तीन गुण हैं। गुणों का प्रभाव मन पर पड़ता है और दोषों का प्रभाव तन पर। रोगी मन शरीर को भी रोगी बनाता है और रोगी तन मन को। धन्वन्तरि, चरक, सुश्रुत, सहित तमाम पूर्वजों ने आयु के विज्ञान का विकास किया था। वात, पित्त और कफ की धरणा अरब देशों तक गयी थी। वनस्पतियाँ और औषधियाँ उपास्य थीं। 'उपचार' प्रथमा नहीं होता। आचार प्रथमा है, आचारहीन को ही 'उप-चार' की जरूरत पड़ती है। सुख सबकी कामना है। चरक संहिता में सुख और दुख की विशेष परिभाषा की गयी है। चरक के अनुसार, ''स्वस्थ होना सुख है और रुग्ण (विकार ग्रस्त) होना दुख है।'' सुखी रहने के लिए उत्तम स्वास्थ्य जरूरी है। चरक संहिता में सुखी जीवन के लिए स्वास्थ्य को आवश्यक बताया है। स्वस्थ जीवन के तमाम स्वर्ण सूत्र चरक संहिता के पहले उपनिषदों में भी कहे गये थे। छान्दोग्य उपनिषद् में अन्न पचने और रक्त अस्थि तक बनने के विवरण हैं। महाभारत (शान्ति पर्व) में भी शरीर की आन्तरिक गतिविधि का वर्णन है। चरक संहिता में स्वास्थ्य के लिए कठोर अनुशासन को जरूरी कहा गया है। बताते हैं, ''अपना कल्याण चाहने वाले सभी मनुष्यों को अपनी स्मरण शक्ति बनाये रखते हुए सद्व्रतों का पालन करना चाहिए।'' सद्व्रत आयुर्विज्ञान का आचार शास्त्र है।

आत्मबल की ताकत से हासिल लक्ष्य

योगेन्द्र नाथ शर्मा 'अरुण'

आज हमारी सबसे बड़ी समस्या यह हो गई है कि हम अपने अंतर्मन की आवाज़ को अनसुना कर देते हैं। सच यह है कि हमारे जीवन में आने वाले उतार-चढ़ाव भी उतने ही स्वाभाविक हैं, जितना कि संसार में मौसम का बदलना, पेड़-पौधों का मुरझाना और दोबारा उन पर नयी कोपलें फूटना स्वाभाविक होता है। जो व्यक्ति इस प्रक्रिया को सहजता से स्वीकारता है, वह सुख-दुख, दोनों ही स्थितियों में संतुलित और समभाव रहता है, किन्तु कुछ लोग ऐसी मुश्किलों से बहुत जल्दी घबरा जाते हैं। उनका आत्मबल कमजोर पड़ने लगता है। विधाता ने हम सभी को विपरीत परिस्थितियों से जूझने की शक्ति समान रूप से दी है, लेकिन कुछ लोग अपने अंतर्मन की इस ताकत को पहचान नहीं पाते और ऐसे ही लोग राह में आने वाली छोटी-छोटी बाधाओं से बहुत जल्दी घबरा भी जाते हैं। अपने 'अंतर्मन की ताकत' को पहचानने वाले लोग हर हाल में शांत और संयमित रहते हैं। यह सच है कि मानव का मन बेहद चंचल है। इसकी गति बिजली से भी तेज है। तभी तो श्रीमद्भगवद् गीता में भगवान श्रीकृष्ण कहते हैं—'इंद्रियां बलवान हैं, इंद्रियों से बलवान मन है और मन से भी ज्यादा शक्तिशाली है बुद्धि।' सबसे बड़ी बात यह है कि हम जब कभी समस्याओं के जाल में घिर जाते हैं, तब बाहर से मदद लेने की कोशिश तो करते हैं, लेकिन उसी समय अगर थोड़ा-सा ध्यान अपने अंतर्मन की आवाज़ को सुनने पर भी दें, तो समस्या का हल मिल सकता है। एक बार एक व्यक्ति कुछ पैसे निकलवाने के लिए बैंक में गया। जैसे ही कैशियर ने उसे पेमेंट दी, उस कस्टमर ने चुपचाप उसे अपने बैग में रखा और बैंक से चल दिया। उसने एक लाख चालीस हज़ार रुपए निकलवाए थे। उसे पता था कि कैशियर ने ग़लती से उसे एक लाख चालीस हज़ार रुपए देने के बजाय एक लाख साठ हज़ार रुपए दे दिए हैं, लेकिन उसने यह आभास कराते हुए कि उसने तो पैसे गिने ही नहीं और उसे कैशियर की ईमानदारी पर पूरा भरोसा है, चालाकी से चुपचाप पैसे रख लिए। इसमें उसका कोई दोष था या नहीं, यह तो पता नहीं, लेकिन पैसे बैग में रखते ही कैशियर द्वारा दिए गए 20,000 अतिरिक्त रुपयों को लेकर उसके मन में बड़ी उधेड़-बुन शुरू हो गई। एक बार उसके मन में आया कि फालतू पैसे वापस लौटा दे, लेकिन दूसरे ही पल उसने सोचा कि जब मैं ग़लती से किसी को अधिक पेमेंट कर देता हूं, तो मुझे कौन लौटाने आता है? बार-बार उसके अंतर्मन से आवाज़ आई कि पैसे लौटा दे, लेकिन हर बार उसका दिमाग उसे कोई न कोई बहाना या कोई न कोई वजह दे देता था अधिक मिले पैसे न लौटाने की। लेकिन इंसान के अन्दर सिर्फ दिमाग ही तो नहीं होता... 'दिल और अंतरात्मा' भी तो होती है? ...रह-रह कर उसके अंदर से आवाज़ आ रही थी कि तुम किसी की ग़लती से फ़ायदा उठाने से नहीं चूकते और ऊपर से ईमानदार होने का ढोंग भी करते हो? उसकी बेचैनी बढ़ती जा रही थी। अचानक ही जाने क्या हुआ कि उसने बैग में से बीस हज़ार रुपए निकाले और जेब में डालकर बैंक की ओर चल दिया। अब उसकी बेचैनी और तनाव कुछ कम होने लगा था। वह हल्का और स्वस्थ अनुभव कर रहा था। वह कोई बीमार थोड़े ही था, लेकिन उसे लग रहा था जैसे उसे किसी बीमारी से मुक्ति मिल गई हो। उसके चेहरे पर किसी जंग को जीतने जैसी प्रसन्नता व्याप्त थी। बैंक पहुंच कर उसने कैशियर द्वारा गलती से ज्यादा दिए बीस हज़ार रुपए लौटाए तो कैशियर ने चैन की सांस ली। खुश हो कर कैशियर ने कस्टमर को अपनी जेब से हज़ार रुपए का एक नोट निकाल कर देते हुए कहा, 'भाई साहब! आपका बहुत-बहुत आभार! आज मेरी तरफ से अपने बच्चों के लिए

मिठाई ले जाना। प्लीज़, मना मत करना।' कैशियर की बात सुनकर वह कस्टमर बोला- 'भाई साहब, आभारी तो मैं हूं आपका और आज मिठाई भी मैं ही आप सबको खिलाऊंगा।' आश्चर्य में डूबे कैशियर ने पूछा 'भाई! आप किस खुशी में मिठाई खिला रहे हो?' इस पर उस कस्टमर ने जवाब दिया, 'आभार इस बात का कि आपकी गलती से ज्यादा मिले बीस हज़ार रुपयों के इस चक्कर ने मुझे आज 'आत्म-मूल्यांकन' का अवसर प्रदान किया है। यदि आपसे ये ग़लती न हुई होती, तो न तो मैं मन के द्वंद्व में फंसता और न ही उस से निकल कर अपनी 'लोभवृत्ति' पर क़ाबू पाता। यह बहुत मुश्किल काम था। घंटों के अंतर्द्वंद्व के बाद ही मैं जीत पाया। इस दुर्लभ अवसर के लिए आपका आभार।' निःसंदेह, यह प्रकरण हमें बहुत बड़ी उस शक्ति के बारे में बता रहा है, जिसे हम बहुत बार छोटे-छोटे से लालचों में पड़कर भूल जाते हैं। वह शक्ति है हमारे ही भीतर रहने वाला 'आत्मबल', जो हमें जीवन के उच्चतर मूल्यों पर अडिग रहने की शक्ति देता है। 'आत्मबल' में असीम शक्ति होती है, जो आदमी को अमृत बना देती है। कवि कहता है :-

'उठना बहुत कठिन सखे/ गिरना है आसान।

सू-दोकू नवताल -2052

		4		6	5	7		
7			3	2			5	
						6	4	
	8	9		5	1	2	7	6
5	1	6	8	7		4	9	
	9	3						
	7			1	8			9
		8	7	3		1		

सू-दोकू -2051 का हल

2	4	5	6	9	8	1	7	3
1	7	6	4	3	5	8	2	9
3	8	9	1	2	7	6	5	4
9	1	7	3	6	2	4	8	5
5	6	3	8	7	4	9	1	2
4	2	8	5	1	9	3	6	7
7	3	1	9	5	6	2	4	8
8	9	2	7	4	1	5	3	6
6	5	4	2	8	3	7	9	1

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली-2052

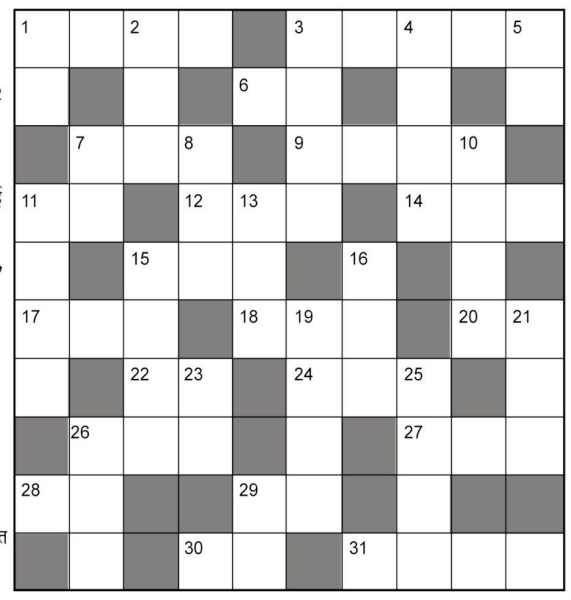

बायें से दायें:-

1. 'तू मिले दिल खिले और' गीत वाली नागार्जुन, रमैया, मनीषा की फिल्म-4
3. राजकपूर, माला की 'आँसू भरी हैं ये जीवन की राहें' गीत वाली फिल्म-5
6. 'केसरिया बालम' गीत वाली श्रेयस तलपदे, आयशा टाकिया की फिल्म-2
7. शाहरूख, माधुरी की 'अठरा बरस की कँवारी कली थी' गीत वाली फिल्म-3
9. 'वो चाँद जैसी' गीत वाली शाहरूख खान, माधुरी, ऐश्वर्या की फिल्म-4
11. जैकी श्रॉफ, डिम्पल कपाड़िया की 'फूल ये कहाँ से' गीत वाली फिल्म-2
12. शॉवर अली, तरूण अरोड़ा, मेघना की फिल्म-3
14. संजय दत्त, फरहा की 'मेरा प्यार तेरे जीवन के संग' गीत वाली फिल्म-3
15. विनोद मेहरा, बिंदिया की फिल्म-3
17. हिमालय, भाग्यश्री की 'तेरा ही प्यार मेरे इस दिल में' गीत वाली फिल्म-3
18. फिल्म 'कभी कभी' में ऋषि की नायिका कौन थी-3
20. अनिल, अक्षय खन्ना, ऐश्वर्या की 'इश्क बिना क्या' गीतवाली फिल्म-2
22. दिलीप कुमार, रेखा, ममता कुलकर्णी की फिल्म-2
24. अमिताभ, रेखा की 'कोई गाता मैं सो जात' गीत वाली फिल्म-3
26. 'बागां मां जब मोर बोले' गीत वाली अक्षयकुमार, करीना की फिल्म-3
27. विनोद खन्ना, हेमा की अरूणा राजे द्वारा निर्मित एवं निर्देशित फिल्म-3
28. 'क्यूं मेरा दिल तुझको' गीत वाली करण नाथ, मनीषा की फिल्म-2
29. नसीर, ओमपुरी, स्मिता की 'शमशीर बजे ना' गीत वाली फिल्म-2
30. 'बंधन' में सलमान का नाम ?-2
31. फिल्म 'काफी हाउस' में शम्मी कपूर की नायिका ?-2,2

ऊपर से नीचे:-

1. 'दिल ना दिया' गीत वाली फिल्म-2
2. विनोद खन्ना, बिंदू की फिल्म-3
3. 'दो दिल मिल रहे' गीत वाली फिल्म-4
4. विनोद मेहरा, रीना राय की फिल्म-4
5. 'आप से प्यार हुआ' गीत वाली फिल्म-2
7. 'सिर्फ संडे को करती हूँ मैं' गीत वाली अब्बास, शर्बाणी मुखर्जी की फिल्म-2
8. देव आनंद, आशा पारेख की 'ये दुनिया वाले पूछेंगे' गीत वाली फिल्म-3
10. 'बड़ी दूर से आये हैं प्यार' गीत वाली अनिल घवन, योगिता की फिल्म-4
11. देव आनंद, मधुबाला की 'उन के खयाल आए तो' गीत वाली फिल्म-2,2
13. 'जब लिया हाथ में हाथ' गीत वाली राजेंद्रकुमार, गीताबाली की फिल्म-3
15. जयराज, निरूपा की 'ना किसी की आँख का नूर हूँ' गीत वाली फिल्म-2,2
16. फिल्म 'शिवा' में नागार्जुन के साथ नायिका कौन थी-3
19. 'लेके पहला पहला प्यार गीत वाली फिल्म-1,2,1
21. मिथुन, आदित्य, डिम्पल, मंदाकिनी की फिल्म-3
23. अनिल घवन, रश्मि वर्मा, सोनिका गिल की एक सस्पेंस फिल्म-2
25. 'पियू बोले जिया' गीत वाली फिल्म-4
26. बिस्वजीत, माला की 'अजी हो ताश के बावन पत्ते' गीत वाली फिल्म-3
29. 'चालबाज' में श्रीदेवी के एक किरदार का नाम अंजू था दूसरे किरदार का नाम ?-2

फिल्म वर्ग पहेली- 2051

बा	बु	ल		आ	का	श		यु	द्ध
रि		गा	य	ब		र्मी		गां	
श	गु	न		रू	दा	ली		ध	र्म
	ष		फू		ग		डो	र	
गु		दि	ल	से		मि	ली		भा
म	शा	ल		ह	म			जं	ग
रा		ज	य	रा	ज		माँ		म
ह	म	ला			बू	म		र	भा
	ह		स	फ	र		दे		ग
य	ल	गा	र			बे	व	फा	

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

यूक्रेन पर हमले का सबसे ज्यादा असर तेल और गेहूं बाजार पर पड़ेगा

कीव ।

रूस और यूक्रेन के बीच इन दिनों तनाव इतना बढ़ गया है कि स्थिति युद्ध तक आ गई है। अगर रूस और यूक्रेन आपस में टकराते हैं तो इसका खामियाजा पूरी दुनिया को भुगतना पड़ेगा। इसका सबसे ज्यादा असर तेल और गेहूं के बाजार पर पड़ेगा। इसके अलावा यूक्रेन के स्टॉक मार्केट में भी खलबली मच सकती है। अगर ब्लैक सी रीजन से गेहूं के व्यापार में किसी भी तरह की बाधा पड़ती है तो इसका प्रभाव पूरी दुनिया पर पड़ेगा। इस समय वैसे भी कोरोना महामारी की वजह से तेल और खाद्य पदार्थों की कीमतों में इजाफा देखा जा रहा है। अगर यूक्रेन और रूस के बीच युद्ध छिड़ा तो ब्लैक सी में भी सैन्य कार्यवाही या फिर प्रतिबंधों की वजह से इसका असर दिखाई देगा। गेहूं के बड़े निर्यातकों में यूक्रेन, रूस, कजाकिस्तान और रोमानिया की गिनती गेहूं के बड़े निर्यातकों में होती है। युद्ध की स्थिति में इन देशों का निर्यात बाधित हो जाएगा। यूरोपीय देशों को मिलने वाली नेचुरल गैस रूस से ही मिलती है। यह पाइपलाइन के जरिए बेलारूस और पोलैंड के रास्ते जर्मनी पहुंचती है। एक पाइपलाइन सीधा जर्मनी पहुंचती है और दूसरी यूक्रेन के रास्ते जर्मनी तक पहुंचती है। साल 2020 में रूर से होने वाली नेचुरल गैस की सप्लाई कम हो गई थी। अगर युद्ध होता है तो यूक्रेन से आने वाली पाइपलाइन पर रूस रोक लगा सकता है। अगर ऐसा होता है तो तेल और नेचुरल गैस की कीमत आसमान पर चढ़ जाएगी और इसका खामियाजा पूरी दुनिया को भुगतना पड़ेगा। यूक्रेन के रास्ते स्लोवाकिया, हंगरी और चेक रिपब्लिक तक रूस का तेल पहुंचता है। ऐसे में अगर आपूर्ति बाधित होती है तो तेल की कीमतें तेजी से बढ़ेंगी। अगर रूस और यूक्रेन में युद्ध होता है तो दुनिया को मंदी के दौर से गुजरना पड़ सकता है। सैन्य कार्यवाही की वजह से इन दोनों देशों की मार्केट पर बड़ा असर पड़ेगा। हाल में बढ़े तनाव के मद्देनजर दोनों ही देशों के डॉलर बॉन्ड अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रहे हैं। पिछले कुछ सालों में रूस के बाजारों में 2014 का उदाहरण लें तो लिक्विडिटी गैप और यूएस डॉलर होर्डिंग की वजह से पूरी दुनिया के बाजारों पर इसका प्रभाव दिख सकता है।

फेडरल बैंक से जुड़ी फेडफिना ने आईपीओ के सेबी के पास जमा किए ड्राफ्ट पेपर

नई दिल्ली ।

पिछले डेढ़ साल में कई छोटी-बड़ी कंपनियां भारतीय शेयर बाजारों में लिस्ट हुई हैं। इसमें से अधिकतर कंपनियों के आईपीओ से निवेशकों ने अच्छे पैसे बनाए हैं। यही वजह है कि लोग बेसब्री से अच्छी कंपनियों के आईपीओ का इंतजार करते हैं। हाल ही में अडानी-विल्मर के आईपीओ ने लिस्टिंग के बाद के तीन सत्रों में निवेशकों को जबरदस्त रिटर्न दिया। लोग अब एलआईसी आईपीओ का इंतजार कर रहे हैं, लेकिन इसी बीच फेडरल बैंक की सहायक कंपनी फेडबैंक फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड (फेडफिना) ने इनिशियल पब्लिक ऑफर (आईपीओ) के लिए मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास ड्राफ्ट पेपर (डीआरएचपी) जमा किए हैं। डीआरएचपी के मुताबिक इस आईपीओ के तहत कंपनी 900 करोड़ रुपए के नए शेयर जारी करेगी, जबकि कंपनी के मौजूदा प्रमोटर और इंवेस्टर 45,714,286 इक्विटी शेयरों की पेशकश (ओएफएस) करेंगे। कंपनी ने शनिवार को रेगुलेटरी फाइलिंग के दौरान बताया कि इस ओएफएस के तहत फेडरल बैंक 16,497,973 इक्विटी शेयरों जबकि टू नार्थ फंड एलएलपी 29,216,313 की पेशकश करेंगे। इस ऑफर के पूरा होने के बाद भी फेडरल बैंक के पास कंपनी की 51 फीसदी से ज्यादा हिस्सेदारी बनी रहेगी। नए शेयरों को जारी करने से प्राप्त आमदनी का इस्तेमाल कंपनी अपनी भविष्य की पूंजीगत जरूरतों को पूरा करने के लिए टीयर-1 शहरों में अपने कैपिटल बेस को मजबूत करने के लिए करेगी।

यह रिटेल ग्राहकों पर ध्यान देने वाली नॉन-बैंकिंग फाइनेंस कंपनी (एनबीएफसी) है। कंपनी एमएसएमई और अपना कारोबार करने वाले लोगों को गोल्ड लोन और इंस्टॉलमेंट लोन की पेशकश करती है।

एप्पल इंक इलेक्ट्रिक कार पर कर रही तेजी से काम

नई दिल्ली ।

जानीमानी एप्पल कंपनी अब इलेक्ट्रिक कार लॉन्च करने की तैयारी में है। एप्पल की यह इलेक्ट्रिक कार जल्द ही लांच हो सकती है। अपनी इलेक्ट्रिक कार पर एप्पल इंक तेजी से काम कर रही है। कंपनी की इलेक्ट्रिक कार की पेटेंट इमेज इंटरनेट पर लीक हुई है जिससे इसके बारे में कुछ अहम जानकारियां सामने आई हैं। लीक हुई तस्वीर से पता चलता है एप्पल इलेक्ट्रिक कार सनरूफ फीचर के साथ आ सकती है। यह दिग्गज टेक कंपनी काफी समय से ह्यूंदै और निसान जैसी कंपनियों से बातचीत कर रही है।अब खबर है कि कंपनी खुद ही यह पूरा प्रजेक्ट अकेले शुरू करेगी। पेटेंट का जो स्केच लीक हुआ है वो 2016 का बताया जा रहा है। हालांकि इसके बाद कंपनी ने इसमें साल 2020 में कुछ अपडेट किए है लेकिन ओवरऑल डिजाइन में कुछ खास बदलाव नहीं हुआ है। एप्पल टेक इंडस्ट्री की एक दिग्गज कंपनी है और कंपनी का आईफोन दुनिया भर बेहद लोकप्रिय है। अब यह देखना काफी दिलचस्प होगा कि कंपनी टेक इंडस्ट्री के बाद ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री में कितना कमाल कर पाती है।इस कार के लॉन्च के बारे में अभी कोई तय तारीख सामने नहीं आई है। कार का प्रॉडक्शन शुरू होने में भी अभी वक्त लग सकता है इस लिहाज से माना जा रहा है कि कंपनी साल 2025 तक यह कार बाजार में उतार सकती है।

दुनिया के बाजारों में स्टरलाइट टेक 2022-23 में 20 फीसदी कारोबार बढ़ाएंगी

नई दिल्ली ।

दुनिया के बाजारों में अपना कारोबार बढ़ाने स्टरलाइट टेक्नोलॉजीज बड़ी योजना बना रही है। वित्त वर्ष 2022-23 में प्रमुख बाजारों मसलन अमेरिका, यूरोप और भारत में अपने कारोबार में 20 प्रतिशत वृद्धि होने की उम्मीद है। जिटल नेटवर्क इंटिग्रेटर कंपनी के प्रबंध निदेशक अंकित अग्रवाल ने कहा कि वैश्विक स्तर पर नेटवर्क के विस्तार तथा 5जी सेवाएं शुरू होने की वजह से स्टरलाइट टेक्नोलॉजीज के कारोबार में तेज वृद्धि होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि कोविड-19 संक्रमण के मामलों में उल्लेखनीय गिरावट आने और इससे जुड़ी पाबंदियों में ढील देने के बाद कंपनी अपने कर्मचारियों को कार्यालय लौटने के लिए प्रोत्साहित कर रही है। भारत और वैश्विक स्तर पर कार्यालयों में इसको लेकर सकारात्मक

प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है। अग्रवाल ने कहा, 'सावधानी के साथ कंपनी के कारखानों का परिचालन 100 प्रतिशत क्षमता के साथ किया जा रहा है। अभी दफ्तरों में कर्मचारियों को बारी-बारी से बुलाया जा रहा है। आगामी सप्ताहों में इसमें तेजी आएगी।' अग्रवाल ने कहा, 'कंपनी ने पूर्व में कई अधिग्रहण किए हैं। हम अभी कुछ और छोटे अधिग्रहण करना चाहते हैं।'

उन्होंने कहा कि कारोबार के मोर्चे पर कंपनी को अमेरिका, यूरोप और भारत जैसे बाजारों में सकारात्मक रुख देखने को मिल रहा है। ये देश भविष्य के लिए विशाल नेटवर्क का सृजन कर रहे हैं और 5जी के लिए ढांचा भी तैयार कर रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

देश का सेवा निर्यात अगले वित्त वर्ष 325 अरब डॉलर पहुंच सकता है: एसईपीसी

नई दिल्ली । देश का सेवाओं का निर्यात अगले वित्त वर्ष 2022-23 में 325 अरब डॉलर पर पहुंच सकता है। सेवा निर्यात संवर्द्धन परिषद (एसईपीसी) के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने यह बात कही है। उन्होंने कहा कि सभी प्रकार की सेवाओं की मांग बढ़ने तथा धीरे-धीरे नियमित अंतरराष्ट्रीय उड़ानें शुरू होने से सेवा निर्यात में तेजी आएगी। उन्होंने कहा कि चालू वित्त वर्ष के अंत तक सेवाओं का निर्यात 250 अरब डॉलर पर पहुंच जाएगा। चालू वित्त वर्ष के पहले 10 माह अप्रैल-जनवरी के दौरान सेवाओं का निर्यात अनुमानित 209.83 अरब डॉलर रहा है, जो एक साल पहले की समान अवधि के 167.45 अरब डॉलर से 25.31 प्रतिशत अधिक है। कोविड-19 महामारी के जल्द समाप्त होने की उम्मीद के बीच वैश्विक बाजारों में सभी प्रकार की सेवाओं की मांग बढ़ रही है। ऐसे में हमने अगले वित्त वर्ष में 325 अरब डॉलर के निर्यात का महत्वाकांक्षी लक्ष्य तय किया है। उन्होंने कहा कि नई विदेश व्यापार नीति में क्षेत्र के लिए समर्थन उपायों से सेवाओं का निर्यात और बढ़ाने में मदद मिलेगी। इससे पहले परिषद ने निर्यात को प्रोत्साहन को क्षेत्र के लिए सेवाओं के निर्यात पर शुल्क वापसी योजना (ड्रेस) के स्थान पर एक वैकल्पिक योजना प्रस्ताव किया था।

भारत में सीएनजी मॉडल्स उतार रही बडी कंपनियां

नई दिल्ली । कार बनाने वाली कई बडी कंपनियां सीएनजी मॉडल्स भी भारत में उतार रही हैं। ऐसी ही कुछ कारें जो फैक्ट्री फिटेड सीएनजी वर्जन के साथ मार्केट में एंट्री करने वाले हैं। मारुति सुजुकी ब्रेजा, मारुति स्विफ्ट, टाटा पंच, मारुति बलेनो, ह्यूंदै वेन्यू, मारुति डिजायर और टोयोटा इनोवा क्रिस्टा। वर्तमान में भारत के ऑटोमोबाइल बाजार के सीएनजी वीकल सेगमेंट में मारुति सुजुकी का मार्केट शेयर सबसे ज्यादा है। इसके बाद ह्यूंदै ने सीएनजी सेगमेंट में अपना फुटहोल्ड स्ट्रॉन्ग कर रखा है। भारतीय ऑटोमोबाइल कंपनी टाटा ने भी इस सेगमेंट में हाल ही में एंट्री की है। कंपनी ने टिआगो और टिगोर को सीएनजी के साथ लॉन्च किया है और अब ग्राहकों को टाटा पंच सीएनजी का इंतजार है। टाटा पंच को भारत में बेहद शानदार रिस्पॉन्स मिला है।सीएनजी कारों की डिमांड भारत में तेजी से बढ़ रही है। परंपरागत ईंधन जैसे डीजल और पेट्रोल की कीमतों में लगातार इजाफा देखने को मिल रहा है। ऐसे में इन कारों की भारत के ऑटोमोबाइल बाजार में एंट्री ग्राहकों के लिए एक राहत भरी खबर है। यह देखना काफी दिलचस्प होगा कि भारत में इन कारों को ग्राहकों की तरफ से कैसा रिस्पॉन्स मिलता है। बता दें कि भारतीय ऑटोमोबाइल बाजार में सीएनजी वीकल्ज की डिमांड लगातार बढ़ रही है। इसका एक बड़ा कारण है देश में बढ़ती फ्यूल की कीमतें।

ईपीएफओ ने दिसंबर 2021 में 14.6 लाख सदस्य बनाए

नई दिल्ली ।

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने दिसंबर 2021 में वास्तविक आधार पर 14.6 लाख सदस्य बनाए, जो एक साल पहले की समान अवधि की तुलना में 16.4 प्रतिशत अधिक है। ईपीएफओ द्वारा जजरि` किए गए अस्थायी आंकड़ों से पता चलता है कि ईपीएफओ ने दिसंबर 2020 के दौरान वास्तविक आधार पर 12.54 लाख सदस्य बनाए थे। श्रम मंत्रालय ने कहा कि नवंबर 2021 के मुकाबले दिसंबर 2021 में वास्तविक आधार पर ग्राहकों की संख्या में 19.98 प्रतिशत की वृद्धि हुई। नवंबर माह में वास्तविक आधार पर बनाए गए सदस्यों के लिए जनवरी 2021 में जारी किए गए 13.95 लाख के अनंतिम अनुमानों को संशोधित कर 12.17 लाख कर दिया गया। किसी भी सेविंग्स स्कीम खाते के मामले में नॉमिनेशन जरूरी है। नॉमिनेशन होने से खाताधारक की मृत्यु के बाद पैसा उस व्यक्ति तक पहुंच जाता है, जिसे खाताधारक अपने बाद पैसा पहुंचाना चाहता था। ईपीएफ खाताधारक घर बैठे डिजिटल तरीके से नॉमिनी ऐड कर सकता है। ई-नॉमिनेशन की सुविधा का फायदा वही मेंबर उठा सकते हैं, जिनका यूएएन एक्टिव है और मोबाइल नंबर आधार के साथ लिंक्ड है। ईपीएफ नॉमिनेशन, ईपीएस के लिए भी वैध है। इसके` लिए ईपीएफओ वेबसाइट पर जाकर सर्विसेज सेक्शन में फॉर इंप्लॉइज पर क्लिक करें। अब मेंबर यूएएन/ऑनलाइन सर्विस (ओसीएस/ओटीसीपी) पर क्लिक करें। अब यूएएन और पासवर्ड डालकर लॉग इन करें। मैनेज टैब में ई-नॉमिनेशन सिलेक्ट करें। इसके बाद स्क्रीन पर प्रोवाइड डिटेल्स टैब आएगा, सेव पर क्लिक करें। फैमिली डिक्लेरेशन अपडेट करने के लिए यस पर क्लिक करें। अब एड फैमिली डिटेल्स पर क्लिक करें। एक से ज्यादा नॉमिनी भी ऐड किए जा सकते हैं। किस नॉमिनी के हिस्से में कितना अमाउंट आएगा, इसकी घोषणा के लिए नॉमिनेशन डिटेल्स पर क्लिक करें। डिटेल्स डालने के बाद सेव

ईपीएफ नॉमिनेशन पर क्लिक करें।

ओटीपी जनरेट करने के लिए ई-साइन पर क्लिक करें। ओटीपी आधार के साथ लिंक मोबाइल नंबर पर भेजा जाएगा। ओटीपी को निर्धारित स्पेस में डालकर सबमिट कर दें। इसके बाद ई-नॉमिनेशन ईपीएफओ के साथ रजिस्टर हो जाएगा। ई-नॉमिनेशन के बाद एंप्लॉयर या एक्स एंप्लॉयर को कोई भी डॉक्युमेंट भेजने की जरूरत नहीं है।

अलास्का में ओपल 1,25,000 डॉलर में नीलाम हुआ

वा शिंगटन । ओपल रत्न की अब तक की सबसे अच्छी गुणवत्ता के रत्न में से एक रविवार को अलास्का में एक नीलामी में 1,25,000 डॉलर में बिका। नीलामी हाउस अलास्का प्रीमियर ऑक्शंस एंड एप्रैसल्स के अनुसार अमेरिकस ऑस्ट्रालिस कहे जाने वाले इस ओपल का वजन 11,800 कैरेट से अधिक है। इसका लंबा इतिहास भी है। हाल में इसे एन्कूरेज के उत्तर में बिग लेक स्थित एक घर में लिनन की अलमारी में रखा गया था। यह फ्रेड वोन ब्रांट के पास था, जो अलास्का में सोने के लिए खनन करते हैं और उनके परिवार का रत्नों का कारोबार है।ओपल एक ईंट से भी बड़ा होता है और दो टुकड़ों में टूट जाता है। वोन ब्रांट ने बताया कि रत्न की गुणवत्ता को साबित करने के लिए ऐसा दशकों से किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि यह रत्न उनके परिवार के पास 1950 से था, जब उनके दादा इसे जॉन अल्टमैन नाम के एक ऑस्ट्रेलिया ओपल डीलर से खरीदकर लाए थे। उनके पिता ने फैसला किया कि इस रत्न को ताले में रखे काफी वक्त बीत चुका है और अब इसे वापस दुनिया के पास भेजने का वक्त आ गया है।

वैश्विक संकेतक, रुपए की चाल और कच्चे तेल के भाव से तय होगी बाजार की दिशा : विशेषज्ञ

नई दिल्ली ।

देश के घरेलू शेयर बाजारों में चल रही अनिश्चतता के स्थिर होने के हाल फिलहाल आसार नहीं दिख रहे हैं। इस सप्ताह भी उतार-चढ़ाव भरे कारोबारी सत्रों का सामना करना पड़ सकता है और इस दौरान वैश्विक संकेतक, रुपये की चाल और कच्चे तेल के भाव से आगे बाजार की दिशा तय होगी। विशेषज्ञों ने कहा कि कारोबारी रूस और यूक्रेन के बीच तनाव पर भी नजर रखेंगे, जो पिछले कुछ हफ्तों से बाजार को प्रभावित कर रहा है। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड के खुदरा शोध प्रमुख सिद्धार्थ खेमका ने कहा, अमेरिका और रूस के बीच महत्वपूर्ण बैठक को देखते हुए अगले सप्ताह भी बाजार में अस्थिरता रहने की आशंका है। मुद्रास्फीति की चिंता, एफआईआई की लगातार बिकवाली और मासिक वायदा एवं विकल्प के निपटान से अगले सप्ताह अस्थिरता और बढ़ सकती है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात करने और संकट के समाधान की मांग की है।

भू-राजनीतिक तनाव और अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा दरों में बढ़ोतरी की संभावना के चलते विदेशी कोषों ने भारतीय शेयर बाजारों में बिकवाली शुरू कर दी है। कोटक महिंद्रा एसेट मैनेजमेंट कंपनी की वरिष्ठ ईवीपी और इक्विटी शोध प्रमुख शिवानी कुरियन ने कहा, 'निवेशक मार्च में अमेरिकी फेडरल रिजर्व के नीतिगत फैसलों और रूस-यूक्रेन संघर्ष के प्रति सतर्क रहेंगे।' उन्होंने कहा, 'भारत और वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी के साथ ही मुद्रास्फीति और कंपनियों के तिमाही नतीजों से भी बाजार प्रभावित होगा।' विशेषज्ञों ने कहा कि घरेलू मोर्चे पर उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, गोवा, पंजाब और मणिपुर में चल रहे विधानसभा चुनावों पर भी कड़ी नजर रखी जाएगी। बीएसई सेंसेक्स शुक्रवार को 59.04 अंक या 0.10 फीसदी की गिरावट के साथ 57,832.97 पर बंद हुआ था। इसी तरह एनएसई निफ्टी 28.30 अंक या 0.16 प्रतिशत टूटकर 17,276.30 पर बंद हुआ। अंक या 0.55 प्रतिशत और निफ्टी 98.45 अंक या 0.56 प्रतिशत टूटा। साप्ताहिक आधार पर सेंसेक्स 319.95 अंक या 0.55 प्रतिशत और निफ्टी 98.45 अंक या 0.56 प्रतिशत टूटा।

जेफरीज के ग्लोबल हेड ने मार्केट क्रैश करने की जताई आशंका

वाशिंगटन । जेफरीज के ग्लोबल इक्विटीज हेड क्रिस्टोफर वुड का कहना है कि हाल के दिनों में आपने बाजार में जो गिरावट देखी है, वह तो शुरुआत भर है। आने वाले दिनों में इसमें भी बड़ी गिरावट देखने को मिल सकती है। बाजार के जानकार मानते हैं कि शेयर बाजार में 22 साल पहले जैसे हालात बनते दिख रहे हैं। यानी वर्ष 2000 में जिस तरह मार्केट क्रैश हो गया था, आने वाले दिनों में बाजार में वैसी ही गिरावट देखने को मिल सकती है। क्रिस्टोफर वुड ने टेक शेयरों में आई इस गिरावट को वर्ष 2000 में ग्लोबल लेवल पर आई भारी गिरावट से जोड़ते हुए कहा है कि उस वक्त भी इसी तरह पहले डॉटकॉम शेयरों में गिरावट दर्ज की गई थी। इसके कुछ ही महीनों बाद पूरा बाजार बैठ गया था। वुड ने हाल में वीकली न्यूजलेटर जारी किया, जिसमें कहा गया है कि आज की स्थिति को वर्ष 2000 में न्यूयॉर्क एक्सचेंज सहित दुनिया भर के बाजारों में आई भारी गिरावट से जोड़कर देखा जा सकता है। 22 साल पहले सबसे पहले डॉटकॉम कंपनियों के शेयर धड़ाम हो गए थे। बाकी बाजार उस दौरान अस्थिरता के साथ कारोबार कर रहा था। बाद में सभी ने देखा गया कि कैसे 6 महीने के भीतर एसएंडपी 500 इंडेक्स भी धड़ाम हो गए। उनका कहना है कि शेयर बाजारों में गिरावट का जो दौर आया है, अभी वह रुकने वाला नहीं है। क्रिस्टोफर वुड ने भले बाजार में गिरावट की आशंका जताई हो, लेकिन बाजार के जानकार निराश नहीं हैं। उनका कहना है कि निवेशकों को इस समय आय में पिछले एक-दो महीने से ऐसा देखा जा रहा है कि अमेरिका और भारत सहित दुनिया भर में टेक कंपनियों या नये जमाने की कंपनियों के शेयरों में लगातार बिकवाली हो रही है।

बेहतर व्यापार प्रोत्साहन रणनीति के लिए वाणिज्य विभाग में होगा बदलाव

नई दिल्ली । सरकार बेहतर व्यापार संवर्धन रणनीति बनाने के लिए वाणिज्य विभाग में बदलाव करने की तैयारी कर रही है। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। इस योजना के तहत एक व्यापार संवर्धन निकाय और एक व्यापार उपचार समीक्षा समिति गठित करने का प्रस्ताव है। वाणिज्य मंत्रालय ने यह भी कहा कि नवगठित विभाग में स्पष्ट रूप से परिभाषित लक्षित क्षेत्रों और संस्थानों के साथ एक मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र भी होगा। मंत्रालय ने कहा कि इस पहल के तहत निजी और सरकारी क्षेत्रों के विशेषज्ञों के साथ बेहतरीन प्रतिभाओं को साथ लाने का इरादा है। विभाग के पास बाजार के अवसरों और निर्यातकों की जरूरतों के लिए सभी क्षेत्रों में उत्तरदायी व्यवस्था होगी। बयान में कहा गया कि सुधार का उद्देश्य अगले दशक के लिए रणनीतिक दिशा और आकांक्षाओं को और मजबूत करना है।

रेनॉल्ट ट्राइबर लिमिटेड एडिशन लॉन्च

नई दिल्ली । जानी-मानी रेनॉल्ट कंपनी ने इस खास एमपीवी का लिमिटेड एडिशन मॉडल रेनॉल्ट ट्राइबर लिमिटेड एडिशन लॉन्च किया है। भारत में रेनॉल्ट ट्राइबर की कीमत 5.69 लाख रुपये से लेकर 8.25 लाख रुपये (एक्स शोरूम) तक है। चलिए, अब आपको रेनॉल्ट ट्राइबर लिमिटेड एडिशन की कीमत और खासियत बताते हैं। रेनॉल्ट ट्राइबर लिमिटेड एडिशन को भारत में 7.24 लाख रुपये (एक्स शोरूम) की शुरुआती कीमत में लॉन्च किया गया है। नई ट्राइबर को आरएक्सटी वेरिएंट में लॉन्च किया गया है, जो मैनुअल के साथ ही ईजी-आर एएमटी ट्रांसमिशम ऑप्शन में है। ग्लोबल एनकैप ने रेनॉल्ट ट्राइबर को 4 स्टार सेफ्टी रेटिंग दी है और इस सस्ती एमपीवी ने कार क्रैश टेस्ट में एडल्ट ऑक्यूपेंट सेफ्टी में 4 और चाइल्ड ऑक्यूपेंट सेफ्टी में 3 स्टार स्कोर किया है। ऐसे में रेनॉल्ट ट्राइबर अब कम दाम में ज्यादा सेफ्टी फीचर्स वाली 7 सीटर कार के रूप में उभरकर सामने आई है। नई ट्राइबर लिमिटेड एडिशन को मूनलाइट सिल्वर और केडर ब्राउन के साथ ही ब्लैक रूफ जैसे कलर टोन में पेश किया गया है। नई ट्राइबर के इंजन और पावर की बात करें तो इसमें 1.0 लीटर 3 सिलिंडर नेचरली एस्पिरेटेड पेट्रोल इंजन देखने को मिलेगा, जो कि 71 बीएचपी की पावर 96 एनएम टॉर्क जेनरेट कर सकता है। इस कॉम्पैक्ट एमपीवी को 5 स्पीड मैनुअल के साथ ही 5 स्पीड एएमटी ऑप्शन में पेश किया गया है।रेनॉल्ट ट्राइबर लिमिटेड एडिशन के लुक और फीचर्स की बात करें तो अकाजा फैब्रिक अपहॉल्स्ट्री, पियानो ब्लैक फिनिश के साथ डुअल टोन डैशबोर्ड, डिजिटल वाइट एलईडी इंस्ट्रूमेंट कंसोल समेत कई खास खूबियां हैं।

सरकार की कोयला खानों के प रिचालन में नई प्रौद्योगिकी और डिजिटल ढांचे की योजना

नई दिल्ली ।

सरकार ने कहा है` कि उसने देश की कोयले के आयात पर निर्भरता को कम करने के` लिए मौजूदा और भविष्य में कोयला खानों के परिचालन में नई प्रौद्योगिकियों के क्रियान्वयन और डिजिटल ढांचे के निर्माण करने की योजना बनाई है। कोयला खनन में प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल परिचालन को अधिक उत्पादक बना रहा है। सरकार के कोयला क्षेत्र के लिए प्रौद्योगिकी की रूपरेखा पर मसौदे के अनुसार इसका उद्देश्य नई प्रौद्योगिकियों को लागू करना और खानों के वर्तमान और भविष्य के विस्तार को समर्थन देने के लिए डिजिटल बुनियादी ढांचे का निर्माण करना है। इसमें कहा गया है कि इसके तहत एक मजबूत, बहु-गति की सूचना प्रौद्योगिकी और ढांचागत प्रणाली के आधार की जरूरत है। मसौदा कहता है कि इस तरह की प्रणाली के निर्माण के लिए नए पीढ़ी के पारिस्थितिक तंत्र तक पहुंच की आवश्यकता होगी। प्रौद्योगिकी बदलाव के लिए संगठन में एक संस्कृति बनाने की जरूरत भी होगी। मसौदे में कहा गया है कि आयात पर निर्भरता को कम करने के लिए कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) के लिए एक अरब टन के लक्ष्य तक पहुंचना महत्वपूर्ण है, जिससे प्रौद्योगिकी बदलाव की यात्रा शुरू हो सके। मसौदे के अनुसार नई प्रौद्योगिकी के सुरक्षा और उत्पादकता, पर्यावरण संरक्षण और महिलाओं के लिए ।

अवसरों सहित खनन कार्यों सहित कई प्रभाव हो सकते हैं। इसमें कहा गया है कि बेहतर भूमिगत संचार, स्वचालन, अधिक परिष्कृत खनिज और धातु परिवहन और आपात प्रतिक्रिया उपायों के माध्यम से खनन परियोजनाओं में प्रौद्योगिकी को एकीकृत कर सुरक्षित काम करने की स्थिति हासिल की जाती है। मसौदे में कहा गया है कि भारत के पास कुल कोयला भंडार 344.02 अरब टन था। पिछले चार दशकों में देश में वाणिज्यिक प्राथमिक ऊर्जा खपत में 700 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। ऊर्जा की मांग में वृद्धि के प्रमुख कारक अर्थव्यवस्था का विस्तार, बढ़ती जनसंख्या और जीवन की गुणवत्ता में सुधार हैं। अन्य ऊर्जा स्रोतों की सीमित संभावनाओं की वजह से अगले कुछ दशकों तक देश के ऊर्जा परिवेश में कोयला प्राथमिक स्रोत के रूप में बना रहेगा।

विराट के पोस्टर पर बोले अख्तर , कोई यहां प्यार फैला रहा

लाहौर । पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर ने यहां पाक सुपर लीग (पीएसएल) मैचों में टीम इंडिया के पूर्व कप्तान विराट कोहली के पोस्टर लहराये जाने पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि कोई यहां प्यार फैला रहा था। गत दिनों पीएसएल के दौरान कई प्रशंसक विराट के पोस्टर लिए हुए थे। इन प्रशंसकों का कहना था कि वे चाहते हैं कि विराट भी इस लीग में खेलें। अख्तर ने कोहली के पोस्टर्स के साथ पाक प्रशंसकों की तस्वीर शेयर करते हुए कहा कि गद्दाफी स्टेडियम में कोई ् यार फैला रहा है। अखे तर के इस पोस्ट ने प्रशंसकों का भी दिल जीत लिया है। यह मामला मुल्तान सुल्तान और क्वेटा ग्लैडिटर्स के बीच खेले मुकाबले का है। इसमें जब मुल्तान के बल्लेबाज शान मसूद और मोहम्मद रिजवान अर्धशतक लगाकर खेल रहे थे तभी प्रशंसकों ने स्टेडियम में पाकिस्तानी क्रिकेटर्स के साथ ही कोहली के भी पोस् टर्स लहराये। इस पर एक प्रशंसका ने लिखा कि था कि विराट मैं पाकिस् तान में आपका शतक देखना चाहता हूं। सभी प्रशंसक पिछले काफी समय से कोहली के 71वें शतक का इंतजार कर रहे हैं।

ऑनलाइन रैपिड शतरंज टूर्नामेंट

भारत के प्रागननंदा ने कार्लसन को हराकर किया उलटफेर : संयुक्त 12वें स्थान पर पहुंचे

चेन्नई ।

भारत के युवा ग्रैंडमास्टर आर प्रागननंदा ने ऑनलाइन रैपिड शतरंज टूर्नामेंट एयरथिंग्स मास्टर्स में विश्व के शीर्ष खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन को हराकर सनसनी फैला दी। 16 साल के प्रागननंदा ने 8वें दौर में काले मोहरों से खेलते हुए कार्लसन को 39 चालों के बाद शिकस्त दी। इसी के साथ ही कार्लसन का लगातार जारी विजय अभियान भी रुक गया। इस जीत के साथ ही प्रागननंदा के आठ अंक हो गए हैं और वह संयुक्त 12वें स्थान पर हैं। कार्लसन से पहले प्रागननंदा ने केवल लेव आरोनियन के खिलाफ ही जीत हासिल की थी। इसके अलावा प्रागननंदा की दो बाजियां बराबरी पर रहीं जबकि 4 बाजियों में उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। प्रागननंदा की इससे पहले अनीश गिरी और क्वांग लीम के खिलाफ बाजियां ड्रॉ रहीं थीं। वहीं एरिक हैनसेन, डिंग लिरेन, जान क्रिज़स्टोफ डूडा और शखरियार मामेदयारोव से मुकाबलों में वह हारे थे। रूस के इयान नेपोमनियाचची 19 अंक के साथ अब तक इस टूर्नामेंट में शीर्ष पर हैं। वहीं 15 अंक लेकर दूसरे नंबर पर डिंग लिरेन और हैनसेन हैं।

रूस के इयान नेपोमनियाचची 19 अंक के साथ अब तक इस टूर्नामेंट में शीर्ष पर हैं। वहीं 15 अंक लेकर दूसरे नंबर पर डिंग लिरेन और हैनसेन हैं।

युवा खिलाड़ियों को बेहतर प्रदर्शन करते देखकर खुश हुई : रोहित

कोलकाता ।

भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 सीरीज में टीम इंडिया को मिली 3-0 की शानदार जीत पर खुशी व्यक्त की है। रोहित ने सीरीज में बेहतर प्रदर्शन के लिए युवा खिलाड़ियों की तारीफ करते हुए कहा कि नए खिलाड़ियों को कठिन क्षणों के अंदर बेहतर प्रदर्शन करते देखकर अच्छा लगा। तीसरे मैच में एक समय भारतीय टीम दबाव में थी पर इसके बाद सूर्यकुमार यादव ने 31 गेंदों में 65 रन और वेंकटेश अय्यर ने 19 गेंदों में 35 रनों की आक्रामक पारी खेलकर टीम को जीत दिलाई। रोहित ने कहा, इस सरीज में हमें वह सब कुछ मिला जो हम चाहते थे। हम समझते हैं कि हम एक टीम के रूप में बहुत युवा हैं। हम अभी भी एक अच्छी पीछा करने वाली टीम हैं। इस सीरीज में हम चाहते थे कि युवा खिलाड़ी समझें कि कैसे दबाव की स्थिति में बल्लेबाजी करनी होती है। नए खिलाड़ियों को कठिन हालातों में बेहतर प्रदर्शन करते देखना अच्छा लगा। एक समूह के रूप में अच्छा संकेत है और गर्व की बात है। इसके साथ ही उन्होंने एकदिवसीय और टी20 दोनो ही सीरीज में प्रभावशाली प्रदर्शन के लिए गेंदबाजों की भी जमकर प्रशंसा की। उन्होंने यहा भी कहा कि ऑस्ट्रेलिया में अगामी टी20 विश्व कप को ध्यान में रखते हुए हमने

कार्यभार प्रबंधन के महत्व पर भी प्रकाश डाला। इसी के तहत ही कुछ अनुभवी खिलाड़ियों को श्रीलंका सीरीज में आराम दिया गया है जिससे कि वे तारोताजा हो सकें। श्रीलंका के साथ सीरीज एक अलग प्रकार की रहेगी।

आईसीसी टी20 रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंची टीम इंडिया

दुबई ।

वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे टी20 में जीत के साथ ही भारतीय टीम ने तीन मैचों की टी20 सीरीज 3-0 से जीत ली है। इसके साथ ही भारतीय टीम आईसीसी रैंकिंग में भी शीर्ष पर पहुंच गयी है। रोहित शर्मा के कप्तानी संभालते ही भारतीय टीम ने जीत की लय हासिल कर ली है और वह पिछले 6 वर्षों में पहली बार टी20 रैंकिग में नबर एक स्थान पर पहुंची है। इससे पहले महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में भारतीय टीम शीर्ष पर पहुंची थी। वहीं रोहित टीम इंडिया को शीर्ष पर पहुंचाने वाले दूसरे भारतीय कप्तान बने हैं। वेस्टइंडीज के खिलाफ तीनों मैच जीतने के साथ ही भारतीय टीम के अब 270 रैंकिंग अंक हो गए हैं। वहीं इंग्लैंड की टीम के 39 मैचों से 269 अंक हैं। इससे पहले अंतिम बार भारतीय टीम साल 2016 में धोनी की कप्तानी में शीर्ष पर पहुंची थी।

रानी की अनुपस्थिति में सविता करेगी भारत की अगुवाई, संगीता कुमारी टीम में नया चेहरा

नई दिल्ली ।

अनुभवी गोलकीपर सविता को इस महीने भुवनेश्वर में स्पेन के खिलाफ होने वाले एफआईएच महिला हॉकी प्रो लीग मुकाबले के लिए सोमवार को 22 सदस्यीय भारतीय टीम का कप्तान नियुक्त किया गया। रानी अब भी बेंगलुरू में चोट से उबर रही है और ऐसे में सविता टीम की अगुवाई करती रहेगी। स्पेन के खिलाफ 26 और 27 फरवरी को होने वाले मैचों के लिए सविता के साथ दीप ग्रेस एक्का को उप कप्तान बनाया गया है। सविता की अगुवाई में भारतीय महिला टीम पिछले महीने ओमान के मस्कट में एशिया कप में तीसरे स्थान पर रही थी। टीम में झारखंड की युवा फारवर्ड संगीता कुमारी को भी शामिल किया गया है जो अगले सप्ताह अंतरराष्ट्रीय हॉकी में पदार्पण कर सकती हैं। हॉकी इंडिया के चयनकर्ताओं ने इन दो मैचों के लिए रश्मिता मिंज, अक्षता अबसो ढेकाले, सोनिका, मारियाना कुजूर और ऐश्वर्या राजेश चौहान को स्टैंड बाय के रूप में चुना है। भारत की मुख्य कोच यानेक शोपमैन ने कहा, 'हम स्पेन के खिलाफ अपने घरेलू प्रो लीग मैचों को लेकर उत्साहित हैं। भारत की मुख्य कोच यानेक शोपमैन ने कहा, 'हम स्पेन के खिलाफ अपने घरेलू प्रो लीग मैचों को लेकर उत्साहित हैं। ओमान से लौटने के बाद हमने अच्छा अभ्यास किया और मुझे विश्वास है जिन 22 खिलाड़ियों का चयन किया गया है वे स्पेन के खिलाफ अपना कौशल दिखाने के लिए तैयार होंगी। उन्होंने कहा, 'स्पेन की टीम बहुत मजबूत है और लगातार अच्छा प्रदर्शन करती रही है। वे तोक्यो ओलंपिक में बड़े करीबी मुकाबले में सेमीफाइनल में जगह बनाने से चूक गई थी लेकिन उसने पिछले विश्व कप में कांस्य पदक जीता था ।

टीम इस प्रकार है :

गोलकीपरः सविता (कप्तान), बिचु देवी खरीबाम, रजनी एतिमारपू। रक्षापंक्ति : दीप ग्रेस एक्का (उप-कप्तान), गुरजीत कौर, निक्की प्रधान, उदिता, इशिका चौधरी। मध्यपंक्ति : निशा, सलीमा टेटे, सुशीला चानू पुखरामबम, ज्योति, मोनिका, नेहा, नवजोत कौर, नमिता टोप्पो। अग्रिम पंक्ति : वंदना कटारिया, शर्मिला देवी, नवनीत कौर, लालरेम्सियामी, संगीता कुमारी, राजविंदर कौर। स्टैंडबायः रश्मिता मिंज, अक्षता अबसो ढेकाले, सोनिका, मारियाना कुजुर, ऐश्वर्या राजेश चौहान।

संक्षिप्त समाचार

श्रीलंका ने टी20 सीरीज के लिए घोषित की टीम

कोलंबो । श्रीलंका ने भारत के खिलाफ गुरुवार से शुरु हो रही तीन मैचों की टी20 सीरीज के लिए अपनी टीम घोषित कर दी है। कप्तान दासुन शनाका की इस टीम में अविष्का फर्नांडो सहित तीन खिलाड़ी शामिल नहीं किये गये हैं। अविष्का के चोटिल होने के कारण उनके नाम पर विचार नहीं हुआ। इसके अलावा नुवान तुषारा और रमेश मेंडिस भी फिट नहीं होने के कारण इस दौरे से बाहर हैं। टी-20 सीरीज़ के लिए श्रीलंकाई टीम इस प्रकार है। दासुन शनाका (कप्तान), पाथुम निशान्का, कुशाल मेंडिस, चरिथ असालंका (उप-कप्तान), दिनेश चांडीमल, दनुष्का गुनाथिलाका, कामिल मिसारा, जनिथ लियानेग, वानिंदु हसारंगा, चमाकि करुणारत्ने, दुष्मंता चमीरा, लाहिरु कुमारा, बिनुरा फर्नांडो, शिरन फर्नांडो, महीश तिक्षाणा, जेफ्री वंडरसे, प्रवीण, जयाविकरामा, एशियन डेनिएल। भारत-श्रीलंका टी20 सीरीज का कार्यक्रम इस प्रकार है 24 फरवरी- पहला टी-20,लखनऊ ,26 फरवरी- दूसरा टी-20, धर्मशाला ,27 फरवरी- तीसरा टी-20, धर्मशाला , 4-8 मार्च- पहला टेस्ट, मोहाली , 12-16 मार्च- दूसरा टेस्ट, बेंगलुरु (डे-नाइट) ।

प्रदार्पण मैच में कप्तान ओर कोच का पूरा समर्थन मिला : आवेश

कोलकाता । वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे टी20 क्रिकेट मैच से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में प्रदार्पण करने वाले भारतीय क्रिकेट टीम के युवा तेज गेंदबाज आवेश खान ने कहा है कि उन्हें कप्तान रोहित शर्मा और कोच राहुल द्रविड़ का पूरा समर्थन मिला। आवेश को डेब्यू कैप अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार ने सौंपी। आवेश ने कहा कि कप्तान ओर कोच ने उनसे मैच का आनंद लेने को कहा था। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने इसका एक विडियो भी सोशल मीडिया हैंडल पर जारी किया है। इसमें युवा ऑलराउंडर वेंकटेश अय्यर आवेश का साक्षात्कार लेते नजर आ रहे हैं। इसमें आवेश ने कहा, ' सभी खिलाड़ियों का सपना देश के लिए खेलना होता है। आज मेरा वही सपना पूरा हुआ है। रोहित भाई ने मेरा अच्छा समर्थन किया, राहुल सर ने कहा कि डेब्यू है, इसका आनंद उठाना है और यही चीज मैंने की थ।' आवेश को हालांकि अपने इस डेब्यू मैच में कोई विकेट नहीं मिला। उन्होंने अपने 4 ओवर के में 42 रन दिये। तीसरे टी20 में भारतीय टीम ने आवेश के अलावा रुतुराज गायकवाड़, श्रेयस अय्यर और शार्दुल ठाकुर को अवसर दिया था। इस मैच में वेंकटेश ने भी शानदार बल्लेबाजी करते हुए 35 रन बनाये थे। वहीं अनुभवी खिलाड़ी भुवनेश्वर कुमार, युजवेंद्र चहल, विराट कोहली और विकेटकीपर ऋषभ पंत को इस मुकाबले से आराम दिया गया था। इस मैच में सूर्यकुमार यादव ने 31 गेंदों पर सबसे ज्यादा 65 रन की पारी खेली थी।

साहा धमकी मामले में हस्तक्षेप करें गांगुली : शास्त्री

मुम्बई ।

विकेटकीपर ऋद्धिमान साहा के इस खुलासे के बाद कि एक पत्रकार उन्हें साक्षात्कार देने के लिए धमका रहा है। उन्हें खेल जगत के दिग्गजों का साथ मिल रहा है। अब इस मामले में टीम इंडिया के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने सोशल मीडिया पर साहा का समर्थन करते हुए ट्वीट किया, ' यह बहुत हैरानी की बात है कि एक पत्रकार की ओर से एक खिलाड़ी को धमकाया जा रहा है। इस प्रकार यह पत्रकार अपने पद का दुरुपयोग कर रहा है। इस प्रकार के मामले में बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली को तत्काल हस्तक्षेप करना चाहिये। इस मामले में यह पता लगाया जाना चाहिये कि वि व्यक्ति कौन है जो किसी खिलाड़ी पर दबाव डाल रहा है।'

इससे पहले साहा ने जो व्हाट्सअप स्क्रीनचैट शेयर किया था, उसमें वह कथित पत्रकार कह रहे हैं, ' मुझे एक साक्षात्कार दो , यह अच्छा रहेगा। यदि आप डेमोक्रेटिक बनना चाहते हैं, तो मैं दबाव नहीं डालूंगा। वह एक विकेटकीपर का चयन करते हैं। जो भी सबसे अच्छा होता है। आप 11 पत्रकारों को चुनने की कोशिश करते हैं, जो मेरे हिसाब से सबसे अच्छे नहीं हैं। उसे चुनो, जो सबसे ज्यादा मददगार साबित हो सकता है।' पत्रकार फिर लिखते हैं, ' आपने मुझे कॉल नहीं किया, मैं आपका साक्षात्कार अब कभी नहीं करूंगा। मैं इसे हल्के में नहीं लूंगा, और याद रखूंगा। आपको यह नहीं करना चाहिए था।' याद रखूंगा। आपको यह नहीं करना चाहिए था।' गौरतब है कि शास्त्री ने पहले इस मामले की टीम इंडिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग, हरभजन सिंह सहित कई खिलाड़ियों ने आलोचना की है।

सूर्यकुमार का स्पेशल नमस्ते सेलिब्रेशन सोशल मीडिया में छाया

कोलकाता । यहां वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे टी20 क्रिकेट मुकाबले में शानदार अर्धशतक लगाने वाले सूर्यकुमार यादव की भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका रही। सूर्यकुमार ने मध्यक्रम में उतरकर 200 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से रन बनाये। इस बल्लेबाज ने 31 गेंदों पर 65 रनों की आतिशी पारी खेली। . इस बल्लेबाज ने अपना अर्धशतक पूरा करते ही डग आउट की ओर बल्ले को एक हाथ में लिए दोनों हाथ जोड़कर 'नमस्ते' सेलिब्रेशन के जरिए मुख्य कोच राहुल द्रविड़ सहित अपने टीम साथियों का अभिवादन स्वीकार किया। मुख्य कोच राहुल द्रविड़ सहित अपने टीम साथियों का अभिवादन स्वीकार किया। द्रविड़ यह जानते थे कि सूर्यकुमार की यह पारी उनकी टीम के लिए कितनी अहम हैं, तभी तो उन्होंने इस बल्लेबाज को स्टैंडिंग ओवेशन दिया। सूर्यकुमार की इस पारी से कप्तान रोहित शर्मा भी काफी उत्साहित दिखे।. सूर्यकुमार का यह स्पेशल सेलिब्रेशन वाला वीडियो सोशल मीडिया पर छाया हुआ है। सूर्यकुमार के लिए यह सीरीज शानदार रही। टी20 सीरीज में वह भारत की ओर से सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बने। उन्हें इस मैच में प्लेयर ऑफ द मैच चुने जाने के साथ-साथ प्लेयर ऑफ द सीरीज भी चुना गया। भारतीय टीम को इस साल के अंत में ऑस्ट्रेलिया में टी20 विश्व कप खेलना है। ऐसे में दबाव में जिस तरह की पारी सूर्यकुमार खेल रहे हैं, वह टीम इंडिया के लिए भविष्य को देखते हुए अच्छे संकेत हैं। भारतीय टीम को इस साल के अंत में ऑस्ट्रेलिया में टी20 विश्व कप खेलना है। ऐसे में दबाव में जिस तरह की पारी सूर्यकुमार खेल रहे हैं, वह टीम इंडिया के लिए भविष्य को देखते हुए अच्छे संकेत हैं। भारतीय टीम को इस साल के अंत में ऑस्ट्रेलिया में टी20 विश्व कप खेलना है। ऐसे में दबाव में जिस तरह की पारी सूर्यकुमार खेल रहे हैं, वह टीम इंडिया के लिए भविष्य को देखते हुए अच्छे संकेत हैं।

चाहर का श्रीलंका के खिलाफ टी20 सीरीज और आईपीएल में खेलना संदिग्ध

कोलकाता । टीम इंडिया के युवा तेज गेंदबाज दीपक चाहर का गुरुवार से श्रीलंका के साथ शुरु हो रही तीन मैचों की टी20 सीरीज में खेलना संदिग्ध नजर आ रहा है। चाहर को वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे टी20 मुकाबले में मांसपेशियों में खिंचाव आ गया था। चाहर के चोटिल होने से रोहित शर्मा की कप्तानी वाली भारतीय टीम की भी चिन्ताएं बढ़ गयी हैं। इस सीरीज के अलावा इस गेंदबाज के आईपीएल खेलने पर भी आशंकाएं लग गयी हैं। चाहर को आईपीएल के लिए चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने 14 करोड़ में खरीदा है और अगर वह नहीं खेलते हैं तो सीएसके टीम की भी मुश्किलें बढ़ जाएगी। इस प्रकार चाहर के चोटिल होने से दो कप्तानों टीम इंडिया के रोहित शर्मा और सीएसके के कप्तान महेद्र सिंह धोनी की परेशानी जरुर बढ़ गयी है। चाहर तीसरे मैच में 1.5 ओवर ही गेंदबाजी कर मैदान से बाहर चले गये थे। चाहर की चोट की स्थिति का अभी पूरी तरह पता नहीं चला है। अगर यह 'टीयर' है तो वह शायद ही आईपीएल में खेल पायें क्योंकि ग्रेड एक के टीयर को पूरी तरह ठीक होने और रिहैबिलिटेशन में करीब छह सप्ताह का समय लगता है। ऐसे में श्रीलंका के खिलाफ 24 फरवरी से लखनऊ में शुरू में हो रही 3 मैचों की टी20 सीरीज में उनके खेलने की संभावनाएं बेहद कम हैं। वह शायद ही आईपीएल में खेल पायें क्योंकि ग्रेड एक के टीयर को पूरी तरह ठीक होने और रिहैबिलिटेशन में करीब छह सप्ताह का समय लगता है। ऐसे में श्रीलंका के खिलाफ 24 फरवरी से लखनऊ में शुरू में हो रही 3 मैचों की टी20 सीरीज में उनके खेलने की संभावनाएं बेहद कम हैं।

कीरोन पोलार्ड ने की सूर्यकुमार की तारीफ, कहा- सभी को उनके मानकों का अनुसरण करना चाहिए

स्पोर्ट्स डेस्क ।

वेस्टइंडीज के कप्तान कीरोन पोलार्ड ने श्रृंखला के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी सूर्यकुमार यादव की सराहना करते हुए कहा कि आधुनिक खेल के सभी बल्लेबाजों को उनकी किताब से एक पन्ना पढ़ना चाहिए और उनके मानकों का अनुसरण करना चाहिए। इस 31 वर्षीय बल्लेबाज ने 20 फरवरी को तीसरे टी20 मैच में सिर्फ 31 गेंदों पर 65 रन बनाकर भारत को 17 रन से जीत दिलाने में मदद की और टीम इंडिया ने वेस्टइंडीज को सीरीज में 3-0 से क्लीन स्वीप किया। सूर्यकुमार वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 श्रृंखला में भारत के लिए सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे जिसमें 53.50 की औसत से 107 रन बनाए और इस दौरान उनकी स्ट्राइक रेट 194.55 थी। यह बल्लेबाज 24 फरवरी से श्रीलंका के खिलाफ शुरू होने वाली श्रृंखला में अपनी फॉर्म को जारी रखना चाहेगा। टीम इंडिया तीन टी20 और दो टेस्ट मैचों के लिए महमान टीम से भिड़ेगी। पोलार्ड ने कहा कि सूर्या एक विश्व स्तरीय खिलाड़ी हैं। मुझे उसके साथ मुंबई इंडियंस में खेलने का मौका मिला जब वह पहली बार 2011 में आया था। यह देखकर बहुत अच्छा लगा कि वह तब से बहुत बड़ा हो गया है। वह 360 डिग्री खिलाड़ी के तौर पर अपने और भारत के लिए बेहतरीन काम कर रहा है। वह 360 डिग्री खिलाड़ी के तौर पर अपने और भारत के लिए बेहतरीन काम कर रहा है। पोलार्ड ने कहा कि सभी बल्लेबाज उसकी किताब से एक पेज निकालकर उसका अनुसरण सकते हैं।

ब्राजील में एटलिक्टो व फ्लेमिंगो के बीच फुटबॉल मैच में किग लगते हुए खिलाड़ी

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भ्रष्टाचार प्रतियोगिता में

&

भ्रष्टाचार की जानकारी देने

National Rights Group Youtube Channel

krantisamay@gmail.com

9879141480

fight against corruption india

भारत में भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई

कनाडा: करीब एक महीने तक चला ट्रक चालकों का विरोध प्रदर्शन खत्म, पुलिस ने खाली करवाया ओटावा

इंटरनेशनल डेस्क।

कोरोना से जुड़ी स्वास्थ्य नीतियों का करीब एक महीने तक विरोध करने वाले ट्रक चालकों व अन्य से कनाडा की राजधानी ओटावा की सड़कों को पूरी तरह से खाली करा लिया गया। इस विरोध प्रदर्शन के कारण अमेरिका-कनाडा सीमा की कुछ चौकियों समेत राजधानी के प्रमुख हिस्सों को भी हफ्तों तक बंद करना पड़ा था। पहले यह विरोध प्रदर्शन सीमा पार के ट्रक चालकों के लिए अनिवार्य टीकाकरण के आदेश के खिलाफ था। लेकिन बाद में यह कोविड प्रतिबंधों और प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के विरोध पर केंद्रित हो गया था। इस विरोध प्रदर्शन के कारण प्रधानमंत्री ट्रूडो को अपना आवास छोड़कर परिवार के साथ गुप्त स्थान पर जाने के लिए मजबूर होना पड़ा था। बीते शनिवार और रविवार को पूरे दिन दंगा रोधी पुलिस ट्रक चालकों के नेतृत्व वाले प्रदर्शनकारियों को हटाने में लगी थी। जिसके बाद कनाडा में संसद के आसपास के सभी इलाकों में अब स्थिति नियंत्रण में हैं। ओटावा में जुटे सभी प्रदर्शनकारियों को पुलिसकर्मियों ने खदेड़ दिया है और ट्रकों के लगातार बज रहे हॉर्न अब शांत हो चुके हैं।

शुक्रवार को प्रदर्शनकारियों को खदेड़ने के लिए घुसी पुलिस ने अब तक आंदोलन के नेताओं सहित कुल 191 लोगों को गिरफ्तार किया है और उन्हें जेल भेज दिया गया है। इस बीच ज्यादातर विश्लेषकों को संदेह है कि यह विरोध प्रदर्शन कनाडा की राजनीति पर कोई ऐतिहासिक असर छोड़ेगा, लेकिन इसने कनाडा के दो प्रमुख दलों को झकझोर कर रख दिया है।

पाकिस्तान ने सोशल मीडिया को नियंत्रित करने के लिए अध्यादेश लागू किया

इस्लामाबाद।

पाकिस्तान ने सोशल मीडिया पर नकेल कसने की कवायद के तहत किसी भी व्यक्ति का अपमान करने के जुर्म में जेल की सजा तीन से बढ़ाकर पांच साल तक कर दी है। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गयी। राष्ट्रपति आरिफ अल्वी द्वारा जारी एक अध्यादेश के जरिए इलेक्ट्रॉनिक अपराध रोकथाम कानून, 2016 (पेका) के प्रावधानों में बदलाव किए गए हैं। यह अध्यादेश तब जारी किया गया है जब कुछ दिनों पहले ही संचार मंत्री मुराद सईद के खिलाफ ''अभद्र'' टिप्पणियों के लिए मीडिया जगत की हस्ती मोहसिन बेग को गिरफ्तार किया गया था। कानून मंत्री बैरिस्टर फारुख ने आगाह किया था कि ''फर्जी खबरों'' में शामिल होने पर किसी को बख्शा नहीं जाएगा। इसके बाद इलेक्ट्रॉनिक अपराध रोकथाम (संशोधन) अध्यादेश, 2022 लागू किया गया। अध्यादेश में पेका की धारा 20 में संशोधन कर किसी व्यक्ति या संस्थान का अपमान करने के लिए जेल की सजा तीन साल से बढ़ाकर पांच साल तक कर दी गई है। नए कानूनों में ऑनलाइन मंच पर सार्वजनिक मानहानि को संज्ञेय और गैर जमानती अपराध बना दिया गया है और मामले के शीघ्र निपटारे के लिए एक नयी धारा जोड़ी गयी है। इसमें कहा गया है, ''मुकदमे की सुनवाई शीघ्रता से की जाए लेकिन मामले पर संज्ञान लेने के बाद छह महीने से ज्यादा की देरी नहीं होनी चाहिए।'' कराची में रविवार को कानून मंत्री फारुख नसीम ने कहा कि फर्जी खबरें फैलाने को संज्ञेय अपराध के तौर पर माना जाएगा। उन्होंने कहा, ''पहले जो भी हुआ वह बीती बात है, अब हम सही दिशा में बढ़ रहे हैं।''

युद्ध टालने के लिए राष्ट्रपति बाइडन रूस के साथ किसी भी चर्चा के लिए तैयार: ब्लिंकन

वाशिंगटन।

यक्रेन की सीमा पर बढ़ते तनाव के बीच अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने रविवार को कहा कि राष्ट्रपति जो बाइडन युद्ध को टालने के लिए अपने रूसी समकक्ष व्लादिमीर पुतिन के साथ किसी भी स्थान और समय में किसी भी प्रारूप में बातचीत करने के लिए तैयार हैं। मास्को द्वारा कथित तौर पर यूक्रेन पर हमला करने की योजना बनाने की आंशका के मद्देनजर रूस और अमेरिका के बीच बढ़े तनाव के बीच ब्लिंकन की यह टिप्पणी सामने आई है। हालांकि, रूस ने यूक्रेन पर हमले की योजना की बात से लगातार इंकार किया है। ब्लिंकन ने 'सीएनएन' के साथ साक्षात्कार में कहा, जैसा कि हमने पहले ही कहा है कि हमले की ओर ले जाने वाली हर चीज होती प्रतीत हो रही है। हम मानते हैं कि राष्ट्रपति पुतिन ने निर्णय ले लिया है।

हालांकि, जब तक टैंक वास्तव में आगे नहीं बढ़ते और विमान उड़ान नहीं भरते, तब तक हम हर अवसर का उपयोग करेंगे। हम हर मौके का इस्तेमाल करेंगे और यह देखेंगे कि क्या कूटनीति अभी भी राष्ट्रपति पुतिन को इस कदम को आगे बढ़ाने से रोक सकती है? उन्होंने कहा, अगर युद्ध टाला जा सकता है तो राष्ट्रपति बाइडन किसी भी समय, किसी भी प्रारूप में राष्ट्रपति पुतिन से बातचीत को तैयार हैं।

फ्रांस के विदेश मंत्री से मिले एस जयशंकर, व्यापक मुद्दों पर की बातचीत

पेरिस ।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने रविवार को फ्रांस के विदेश मंत्री ज्यां-यवेस ले द्रायां के साथ द्विपक्षीय सहयोग, हिंद-प्रशांत और यूक्रेन में हालात सहित अनेक मुद्दों पर बातचीत की। जयशंकर, जर्मनी में म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन में भाग लेने के बाद रविवार को फ्रांस पहुंचे। विदेश मंत्री ने ट्वीट किया, पेरिस पहुंच गया हूं। विदेश मंत्री ज्यां-यवेस ले द्रायां के साथ अनेक मुद्दों पर बातचीत की। द्विपक्षीय सहयोग, हिंद-प्रशांत, यूक्रेन तथा जेसीपीओए पर बातचीत में हमारे गहरे भरोसे और वैश्विक साझेदारी की झलक दिखाई दी। हिंद-प्रशांत पर यूरोपीय संघ मंत्रिस्तरीय मंच पर भागीदारी को लेकर उत्सुक हूं। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि दोनों विदेश मंत्रियों ने कोविड-19 वैश्विक महामारी के दौरान भारत और फ्रांस के बीच निकट सहयोग की सराहना की साथ ही दोनों विशेष रूप से व्यापार एवं निवेश, रक्षा और सुरक्षा, स्वास्थ्य, शिक्षा, अनुसंधान तथा नवाचार, ऊर्जा और जलवायु परिवर्तन के क्षेत्रों में रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के लिए राजी हुए। बयान में कहा गया है इस प्रयास के हिस्से के रूप में दोनों पक्षों ने 'समुद्री अर्थव्यवस्था और महासागर प्रशासन पर भारत-फ्रांस रोडमैप' को अंगीकार किया, जिसका उद्देश्य संस्थागत, आर्थिक, ढांचागत और वैज्ञानिक सहयोग के जरिए समुद्री अर्थव्यवस्था (ब्लू इकॉनमी) के क्षेत्र में साझेदारी बढ़ाना है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि लोगों के बीच संपर्क बढ़ाने के लिए दोनों मंत्री खेल जैसे क्षेत्रों में सहयोग जारी रखने और उसे बढ़ाने पर सहमत हुए और इस संबंध में एक अहम समझौता करने पर भी राजी हुए। जयशंकर ने 22 फरवरी 2022 को हिंद प्रशांत पर सहयोग के लिए ईयू मंत्रिस्तरीय मंच के आयोजन जैसी पहल के लिए फ्रांस की सराहना की।

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान की अकड़ पड़ी ढीली, इमरान के सलाहकार बोले- भारत के साथ व्यापार समय की जरूरत

इंटरनेशनल डेस्क। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान के सलाहकार अब्दुल रजाक दाऊद ने भारत के साथ व्यापार फिर खोलने की वकालत की है। भारत सरकार द्वारा जम्मू-कश्मीर से विशेष राज्य का दर्जा वापस लिए जाने के बाद दोनों देशों के बीच व्यापार अगस्त, 2019 से निलंबित है। डॉन न्यूज अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, ''दाऊद ने कहा कि आज भारत के साथ व्यापार समय की जरूरत है। दाऊद ने कहा कि जहां तक वाणिज्य मंत्रालय का सवाल है, हम भारत के साथ व्यापार चाहते हैं। जहां तक मेरे रुख का सवाल है, हम भारत के साथ व्यापार खोलना चाहते हैं। दाऊद कपड़ा, उद्योग, उत्पादन और निवेश पर प्रधानमंत्री के सलाहकार हैं। खबरों में दाऊद के हवाले से कहा गया है कि भारत के साथ व्यापार सभी के लिए फायदेमंद है। विशेषरूप से पाकिस्तान के लिए। मैं इसके समर्थन में हूं। दाऊद के इस बयान के बाद पाकिस्तान-भारत द्विपक्षीय व्यापार संबंधों के आंशिक रूप से फिर खुलने की संभावना बनी है। 5 अगस्त, 2019 को भारत द्वारा जम्मू-कश्मीर से विशेष राज्य का दर्जा समाप्त किए जाने के बाद दोनों देशों के व्यापारिक संबंध निलंबित हैं। मार्च, 2021 में पाकिस्तान आर्थिक समन्वय समिति ने भारत से चीनी और कपास के आयात पर प्रतिबंध हटा दिया था।

हरित विकास, स्वच्छ प्रौद्योगिकी को प्रोत्साहन भारत-जर्मनी की साझा प्रतिबद्धता : जयशंकर

जर्मनी । भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने जर्मनी की आर्थिक सहयोग एवं विकास मंत्री स्वेन्जा शुल्जे के साथ 'रचनात्मक बैठक' के बाद कहा कि हरित विकास एवं स्वच्छ प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देना भारत और जर्मनी की साझा प्रतिबद्धता है। जयशंकर यहां म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन 2022 में भाग लेने के लिए शुक्रवार को जर्मनी पहुंचे थे। जयशंकर ने शनिवार देर रात ट्वीट किया, 'मैंने जर्मनी की आर्थिक सहयोग एवं विकास मंत्री स्वेन्जा शुल्जे के साथ रचनात्मक बातचीत की।' उन्होंने कहा, 'हमने विकास साझेदारी को लेकर अपने-अपने दृष्टिकोण पर चर्चा की। हम हरित विकास एवं स्वच्छ प्रौद्योगिकी को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।' जयशंकर ने जर्मनी के चांसलर के विदेश एवं सुरक्षा नीति सलाहकार जेन्स पोएल्तर से भी वार्ता की। उन्होंने ट्वीट किया, 'जर्मनी के चांसलर के विदेश एवं सुरक्षा नीति सलाहकार जेन्य पोएल्तर के साथ बैठक अच्छी रही। हमने वैश्विक विकास की उपयोगी समीक्षा की।' जयशंकर ने आयरलैंड के अपने समकक्ष साइमन कोवेनी के साथ भी वार्ता की। उन्होंने कहा, 'आयरलैंड के विदेश मंत्री के साथ दिन में बैठक की। हमने यूएनएससी (संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद) में निकटता से काम किया है। आयरलैंड ने ईयू (यूरोपीय संघ) के साथ हमारे संबंधों में अहम भूमिका निभाई है।

ग्रेजी शासन के दौरान लंदन लाई गई भारतीय आयाओं के आवास को सम्मानित किया जाएगा

लंदन । अंग्रेजों के परिवारों द्वारा भारत से लाई गई आया या नर्सों के लिए लंदन में बने एक घर को 'ब्लू प्लाक' से सम्मानित किया जाएगा। यह ब्रिटेन की राजधानी में श्रमिक वर्ग के अनुभवों पर प्रकाश डालने की एक श्रृंखला का हिस्सा है। इंग्लिश हेरीटेज चैरिटी द्वारा चलाई 'ब्लू प्लाक' योजना के तहत लंदन में ऐतिहासिक महत्व वाली इमारतों को सम्मानित किया जाता है। पूर्वी लंदन के हैकने इलाके में आया होम में भारत और दक्षिण तथा दक्षिणपूर्व एशिया के अन्य उपनिवेश से लाई गई आयाएं रहती थीं। यह घर 1900-1921 में बना था। इंग्लिश हेरीटेज ने कहा कि ब्रिटिश परिवारों द्वारा लंदन लाई गई कई महिलाओं को 'द आयाज' होम में आश्रय और सुरक्षा मुहैया कराई गयी। इन आयाओं से उनके नियोक्ताओं ने वापस भेजने का वादा नहीं निभाया। छोड़ दी गई आया साझा आश्रय स्थलों या कार्य स्थल पर रहने को मजबूर थीं। 'ब्लू प्लाक' इंग्लिश हेरीटेज द्वारा लंदन में महिलाओं के अनुभवों का जश्न मनाने की कोशिश का हिस्सा है। ब्रिटिश भारतीय जासूस नूर इनायत खान के लंदन स्थित घर को भी सम्मानित किया जाना है। इंग्लिश हेरीटेज की ब्लू प्लाक समिति की सचिव एना एविस ने कहा इस साल हम जो कहानियां बता रहे हैं उनमें से कई लंदन के कामकाजी वर्ग की हैं। मैं खासतौर से मैच गर्ल्स प्लाक को लेकर उत्साहित हूं। 15 से 20 वर्ष की आयु के बीच की महिलाओं के एक समूह द्वारा की गई, इस हड़ताल का संगठित श्रम और महिलाओं के आंदोलन के इतिहास में महत्वपूर्ण स्थान है। ऐसा कहा जाता है कि 1888 की मशहूर मैच गर्ल्स हड़ताल ने आधुनिक ब्रिटिश श्रम इतिहास का रूप बदल दिया था। पूर्वी लंदन में माचिस बनाने की फैक्ट्री में करने वाली करीब 1,400 महिलाओं ने यह आंदोलन शुरू किया था। हड़ताल के तीन हफ्तों बाद उनकी लगभग सभी मांगें मान ली गई थीं। फैक्ट्री में करने वाली करीब 1,400 महिलाओं ने यह आंदोलन शुरू किया था। हड़ताल के तीन हफ्तों बाद उनकी लगभग सभी मांगें मान ली गई थीं।

जापान में तेज हवाओं और भारी हिमपात का अलर्ट, 136 उड़ानों के साथ-साथ 683 ट्रेनें भी रद्द

इंटरनेशनल डेस्क। जापान के होक्काइदो प्रांत में तेज हवाएं चलने और भारी हिमपात होने की वजह से 136 उड़ानों के साथ-साथ 683 ट्रेनों को भी रद्द कर दिया गया है। सोमवार को मीडिया रिपोर्ट में इसकी जानकारी दी गई है। एनएचके की रिपोर्ट के मुताबिक न्यू चिटोस हवाई अड्डे से आने और जाने वाली उड़ानें, साथ ही साथ स्थानीय उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। जापान के एकमात्र लोक प्रसारण निगम एनएचके के मुताबिक देश के उत्तरी भाग में हवा का कम दबाव वाले क्षेत्र बनने और तापमान गिरने से भारी बफर्बारी होने के साथ साथ तेज हवाएं भी चल रही है। होक्काइदो में आज सुबह नौ इंच से अधिक की बफर्बारी हुई और कई इलाके ऐसे हैं, जो बर्फ से पूरी तरह से ढक गए हैं, जिसमें इसकी राजधानी साप्पोरो भी शामिल है। मीडिया के मुताबिक अगले 24 घंटे में जापान के उत्तरी और उत्तर-पूर्वी प्रांतों में 19-27 इंच तक की हिमपात हो सकता है। मीडिया के मुताबिक अगले 24 घंटे में जापान के उत्तरी और उत्तर-पूर्वी प्रांतों में 19-27 इंच तक की हिमपात हो सकता है।

भारत और फ्रांस अंतरराष्ट्रीय समुद्री कानून से जुड़े मामलों में समन्वय बढ़ाने सहमत

पेरिस ।

वैश्विक स्तर पर उत्पन्न चुनौतियों के लेकर भारत और फ्रांस गंभीर है। दोनों देशों ने घोषणा की है कि वे अंतरराष्ट्रीय समुद्री कानून से जुड़े हैं और हिंद प्रशांत क्षेत्र में चीन की बढ़ती आक्रामकता के बीच 'नई चुनौतियों' का सामना करने के लिए वे बहुपक्षीय निकायों और वार्ताओं को मजबूत करने के लिए समन्वय करेंगे। विदेश मंत्री एस जयशंकर की रविवार डुठ्ठ फ्रांस के विदेश मंत्री ज्यां-यवेस ले द्रायां के साथ द्विपक्षीय वार्ता के दौरान भारत और फ्रांस ने समुद्री अर्थव्यवस्था पर द्विपक्षीय आदान-प्रदान बढ़ाने के लिए एक रूपरेखा पर हस्ताक्षर किए हैं। इसके साथ ही दोनों देशों के बीच कानून के तहत समुद्र पर एक साझा दृष्टिकोण बनाने तथा सतत एवं मजबूत तटीय और जलमार्ग खाके पर सहयोग के लिए भी सहमति बनी है। विदेश मंत्रालय ने रूपरेखा सार्वजनिक करते हुए कहा, 'यह समुद्री सुरक्षा में भारत और फ्रांस के बीच साझेदारी की दिशा में अहम कदम है।'

भारत और फ्रांस दुनिया भर में समुद्री संरक्षित क्षेत्रों के विकास और उन्हें मजबूत करने के लिए बातचीत करेंगे, खास तौर पर भविष्य की जैवविविधता वैश्विक रूपरेखा पर वार्ता के हिस्से के रूप में। इस रूपरेखा के अनुसार, 'भारत और फ्रांस अंतरराष्ट्रीय समुद्री कानून से बंधे हुए हैं और यह सभी समुद्रों तथा महासागरों पर भी लागू होता है।' इसमें कहा गया, कानून को मजबूत करने और नई चुनौतियों का सामना करने के लिए वे बहुपक्षीय निकायों और वार्ताओं में आपसी समन्वय बढ़ाएंगे फिर चाहे वे अंतर्राष्ट्रीय समुद्री प्राधिकरण, अंतर्राष्ट्रीय समुद्री या यूएनसीएलओएस (समुद्री कानून पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन) के तहत अंतरराष्ट्रीय कानूनी रूप से बाध्यकारी साधन दक्षिण चीन सागर में आद्यस्त्रद्ध ामक बर्ताव कर रहे चीन ने 2016 में हेग में अंतरराष्ट्रीय न्यायाधिकरण के एक फैसले को खारिज कर दिया था।

चीन से कर्ज लेकर कंगाल हुआ श्रीलंका, ईंधन खरीदने तक के लिए नहीं हैं पैसे...पेट्रोल पंपों पर लगीं लंबी कतारें

इंटरनेशनल डेस्क।

श्रीलंका सरकार ने सोमवार को स्वीकार किया कि उसके पास ईंधन खरीदने के लिए नकदी खत्म हो गई है और देश के ज्यादातर पेट्रोल पंपों पर ईंधन समाप्त हो गया है। विदेशी मुद्रा संकट की वजह से इस द्वीपीय देश की अर्थव्यवस्था की हालत काफी खराब है। श्रीलंका की वर्तमान आर्थिक स्थिति इतनी विकट है कि उसके पास ईंधन की दो खेप के भुगतान के लिए पर्याप्त मात्रा में अमेरिकी डॉलर भी नहीं है। श्रीलंका के ऊर्जा मंत्री उदय गम्मनपिला ने सोमवार को कहा कि ईंधन की दो खेप आज आ गई हैं, लेकिन हम इसका भुगतान करने में असमर्थ हैं। पिछले सप्ताह सरकारी रिफाइनरी सीलोन पेट्रोलियम कॉरपोरेशन (सीपीसी) ने कहा था कि उसके पास विदेशों से आपूर्ति खरीदने के लिए नकदी नहीं है। सरकार द्वारा तय कीमतों पर डीजल की बिक्री के कारण 2021 में सीपीसी को 41.5 करोड़ डॉलर का नुकसान हुआ है। गम्मनपिला ने कहा, ''मैंने जनवरी में दो बार और इस महीने की शुरुआत में डॉलर के संकट के कारण ईंधन की कमी के बारे में चेतावनी दी थी। विदेशी मुद्रा संकट की वजह से श्रीलंका का ऊर्जा क्षेत्र बुरी तरह प्रभावित हुआ है। श्रीलंका ईंधन के लिए मुख्य रूप से आयात पर निर्भर है। ईंधन की कमी के कारण देश के पेट्रोल पंपों पर लंबी कतारें लग गई हैं। गम्मनपिला ने कहा कि इस संकट से निकलने का एकमात्र रास्ता ईंधन की खुदरा कीमतों में बढ़ोतरी है । मंत्री ने सरकार से ईंधन आयात पर सीमा शुल्क को कम करने का भी आग्रह किया ताकि जनता को इसका लाभ दिया जा सके। इस महीने की शुरुआत में श्रीलंका ने भारतीय कंपनी इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी) से 40,000 टन डीजल और पेट्रोल खरीदा था ताकि देश की ऊर्जा की जरूरतों को पूरा किया जा सके।

जरूरतों को पूरा किया जा सके। श्रीलंका की ऐसी हालात के लिए विदेशी कर्ज खासकर चीन से लिया गया कर्ज भी जिम्मेदार है। चीन का श्रीलंका पर 5 अरब डॉलर से अधिक कर्ज है।

यूक्रेन-रूस युद्ध यूरोपीय सुरक्षा के लिए 'प्रत्यक्ष खतरा' : अमेरिकी उपराष्ट्रपति

म्यूनिख । यूक्रेन-रूस युद्ध यूरोपीय सुरक्षा के लिए 'प्रत्यक्ष खतरा' बन सकता है यह बात अमेरिका की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने कही है। डुठ्ठ रोप में 'युद्ध की वास्तिक आशंका' को स्वीकार करते हुए सप्ताहांत दौरे के तहत रूस के खिलाफ कड़े प्रतिबंधों के प्रति यूरोपीय सहयोगियों के संकल्प को मजबूत करने का प्रयास किया। इस बात के लगातार संकेत मिल रहे हैं कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन यूक्रेन पर आक्रमण का आदेश देने की योजना बना रहे हैं। वार्षिक म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन में हैरिस ने अमेरिकी सहयोगियों को यह बताने की कोशिश की कि यूक्रेन-रूस सीमा पर बढ़ते तनाव का मतलब यूरोपीय सुरक्षा के लिए 'प्रत्यक्ष खतरा' है। इसलिए उन्होंने कहा कि यदि क्रेमलिन अपने पड़ोसी पर आक्रमण करता है, तो उस पर आर्थिक दंड लगाने के लिए एकजुट होना चाहिए। हैरिस ने वाशिंगटन लौटने से पहले संवाददाताओं से कहा, 'द्वितीय विश्वयुद्ध की समाप्ति के बाद से यूरोप अपने सबसे खतरनाक दौर में पहुंच सकता है।' राष्ट्रपति जो बाइडेन को अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा टीम के साथ रविवार को वाशिंगटन में बैठक कर घटनाक्रम पर चर्चा करनी थी। हैरिस की भी योजना जर्मनी से वापस आकर बैठक में भाग लेने की थी, लेकिन म्यूनिख छोड़ने से पहले हैरिस और उनकी टीम ने सम्मेलन में अपनी बैठकों और नेताओं से हुई बातचीत से राष्ट्रपति बाइडेन को अवगत कराया। यूक्रेन में रूस समर्थित विद्रोहियों के कब्जे वाले क्षेत्रों और उसके आसपास के इलाकों में गोलाबारी बढ़ गई है। अलगाववादियों ने हजारों महिलाओं और बच्चों को निकाला है। उधर, पुतिन परमाणु संपन्न मिसाइल परीक्षण का निरीक्षण कर रहे हैं, जबकि यूक्रेन की सीमा पर 150,000 से अधिक रूसी सैनिक तैनात हैं।

रूस के यूक्रेन पर हमला ना करने पर पुतिन के साथ बैठक कर सकते हैं बाइडन: अमेरिका

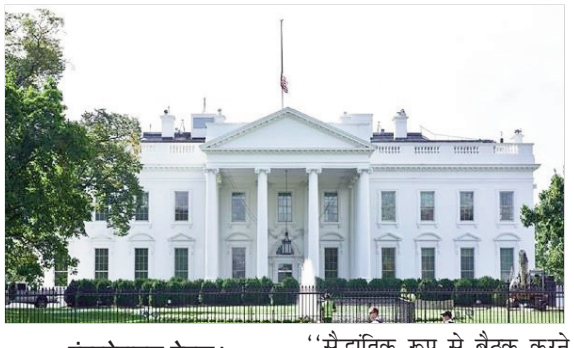

इंटरनेशनल डेस्क।

व्हाइट हाउस ने कहा है कि रूस अगर यूक्रेन पर हमला नहीं करे तो अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन अपने रूसी समकक्ष व्लादिमीर पुतिन के साथ ''सैद्धांतिक रूप से बैठक करने को तैयार हैं। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की मध्यस्थता से यह स्थिति बनी है। अमेरिका ने लगातार आगाह किया है कि रूस कभी भी यूक्रेन पर हमला कर सकता है और साथ ही रूस के ऐसा करने पर उस पर कड़े प्रतिबंध लगाने की चेतावनी भी दी है। उधर, रूस ने यूक्रेन पर हमला करने के अमेरिकी दावों को खारिज किया है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव जेन साकी ने कहा, '' राष्ट्रपति ने लगातार यह स्पष्ट किया है कि हम हमला शुरू होने के क्षण तक कूटनीतिक समाधान तलाश करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। साकी ने कहा कि अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन और रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव भी बृहस्पतिवार को यूरोप में मुलाकात करेंगे, बशर्ते रूस सैन्य कार्रवाई की तरफ नहीं बढ़े। साकी ने एक बयान में कहा, ''राष्ट्रपति बाइडन रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ सैद्धांतिक रूप से बैठक करने को तैयार हैं, अगर बैठक के बाद हमला नहीं हो। हम कूटनीतिक रास्ते पर चलने को हमेशा तैयार हैं। साकी ने कहा कि बाइडन ने मैक्रों से रविवार को बात की थी और दोनों नेताओं ने यूक्रेन की सीमाओं पर रूस के सैनिकों की तैनाती के जवाब में कूटनीतिक और प्रतिरोधात्मक प्रयासों पर चर्चा की। जवाब में कूटनीतिक और प्रतिरोधात्मक प्रयासों पर चर्चा की। एक अनुमान के अनुसार, यूक्रेन के सीमाओं पर रूस ने अपने 1,50,000 सैनिकों की तैनाती की है, जबकि 30 जनवरी तक वहां एक लाख सैनिक ही थे। उन्होंने कहा, '' अगर रूस ने युद्ध का रास्ता चुना तो हम त्वरित एवं गंभीर कार्रवाई करने को भी तैयार हैं।

वर्तमान में, रूस तेजी से यूक्रेन पर व्यापक स्तर पर हमला करने की तैयारी कर रहा है। इससे पहले, अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने 'सीएनएन के साथ एक साक्षात्कार में कहा था कि राष्ट्रपति बाइडन युद्ध को रोकने के लिए पुतिन के साथ किसी भी जगह और किसी भी समय, किसी भी प्रारूप में बातचीत करने के लिए तैयार हैं। ब्लिंकन ने कहा था, '' जैसा हमने पहले ही कहा है कि हर कदम आक्रमण की आशंका उत्पन्न कर रहा है। ये सभी उकसावे की कार्रवाई है, ताकि अपने कदमों को उचित ठहराया जा सके। गौरतलब है कि रूस ने रविवार को यूक्रेन की उत्तरी सीमाओं के पास सैन्य अभ्यास बढ़ा दिया था। सभी उकसावे की कार्रवाई है, ताकि अपने कदमों को उचित ठहराया जा सके। गौरतलब है कि रूस ने रविवार को यूक्रेन की उत्तरी सीमाओं के पास सैन्य अभ्यास बढ़ा दिया था। उसने यूक्रेन की उत्तरी सीमा से लगे बेलारूस में करीब 30,000 सैनिकों की तैनाती की है। साथ ही यूक्रेन की सीमाओं पर 1,50,000 सैनिकों, युद्धक विमानों और अन्य साजो-सामान की तैनाती कर रखी है। कीव की आबादी करीब 30 लाख है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कर्नाटक- पहले हिजाब और अब हिंसा, मैंने पहले ही किया था आगाह : कुमारस्वामी

शिमोगा।

कर्नाटक के शैक्षणिक संस्थान से पैदा हुआ हिजाब विवाद पर अब पूरे प्रदेश में बवाल मचा है। अब यहां शिमोगा में बजरंग दल कार्यकर्ता की हत्या के बाद माहौल और गरमा गया है। फिलहाल इस मामले में दो लोगों की गिरफ्तारी हो गई है। राज्य के गृह मंत्री अरागा ज्ञानेंद्र ने बताया है कि आरोपी स्थानीय ही हैं। वहीं बजरंग दल के कार्यकर्ता की हत्या के मामले पर राजनीतिक बयानबाजी भी जमकर हो रही है। कांग्रेस और बीजेपी के नेता एक दूसरे पर जमकर निशाना साध रहे हैं। कर्नाटक के मंत्री ईश्वरप्पा और कांग्रेस नेता डीके शिवकुमार एक दूसरे पर निजी हमले तक कर रहे हैं। कर्नाटक के सीएम बसवराज बोम्मई के साथ-साथ पूर्व सीएम कुमारस्वामी का भी इस पर बयान आया है। दूसरी तरफ 26 वर्षीय बजरंग दल कार्यकर्ता हर्षा के शव को अब पुलिस की सुरक्षा के बीच पोस्टमार्टम के बाद उसके घर पहुंचाया गया है। बजरंग दल समेत अन्य हिंदू संगठनों के लोग बड़ी संख्या में इस दौरान वहां मौजूद रहे। कर्नाटक के पूर्व सीएम एचडी कुमारस्वामी ने कहा कि पिछले हफ्ते जब हिजाब विवाद शुरू हुआ था तब मैंने पहले ही ऐसा कुछ होने का अंदेशा जताया था। अब एक लड़के की मौत हो गई है। कांग्रेस और बीजेपी अब खुश हो सकते हैं क्योंकि उन्होंने राज्य की शांति को भंग कर दिया है। कुमारस्वामी ने आगे कहा कि ऐसा चुनाव की वजह से आगे दोबारा हो सकता है। मैंने कभी नहीं सोचा था कि ऐसा कर्नाटक में होगा। ऐसा नॉर्थ इंडिया में होता है। ऐसे माहौल की वजह से स्कूल और कॉलेज बंद हैं। जो कर्नाटक के तटीय इलाके में शुरू हुआ था, वह अब पूरे राज्य में हो रहा है। कर्नाटक के सीएम बसवराज बोम्मई ने भी इस मसले पर ट्वीट किया था। उन्होंने लिखा कि शिमोगा में हिंदू कार्यकर्ता हर्षा के मर्डर का मुझे दुख है। जांच जारी है और दोषी लोगों को जल्द पकड़ा जाएगा। पुलिस को इलाके में कानून व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए गए हैं। कृपया लोग भी ठु शांति बनाए रखें।बजरंग दल कार्यकर्ता हर्षा की हत्या के बाद कर्नाटक सरकार में मंत्री ईश्वरप्पा ने कांग्रेस नेता डीके शिवकुमार पर निशाना साधा था। उन्होंने आरोप लगाया कि तिरंगा हटाकर, भगवा फहराया गया, ऐसी बातें करके शिवकुमार ने धर्म विशेष को भड़काया था। वहीं बदले में डीके शिवकुमार ने ईश्वरप्पा को पागल तक कह दिया है।डीके शिवकुमार बोले कि ईश्वरप्पा पागल आदमी है, वह बकवास बातें बोलते हैं। उनके खिलाफ देशद्रोह का मामला दर्ज किया जाना चाहिए और बीजेपी को उन्हें बर्खास्त करना चाहिए। उन्हें देश में कोई माफ नहीं कर सकता। बजरंग दल कार्यकर्ता की मौत के बाद बीजेपी नेताओं के भी अलग-अलग बयान आ रहे हैं। कोई इसे हिजाब विवाद से जोड़ रहा है, तो कोई इनमें आपस में कनेक्शन से इनकार कर रहा है। बीजेपी विधायक और सीएम के सचिव रेणुकाचार्या ने शिमोगा के मामले को हिजाब से जोड़ा है। वह बोले कि यह हिजाब विवाद की वजह से हुआ है। ऐसा अकसर तब ही होता है जब हिंदू समर्थित बातें की जाती हैं। लोग डरे हुए हैं, मैं इस घटना की निंदा करती हूं। बीजेपी नेता बीएस येदियुरप्पा ने भी इसपर बात की।

संक्षिप्त समाचार

कांग्रेसी प्रत्याशी के समर्थन में प्रचार के लिए उतरी प्रियंका गांधी, लखनऊ में किया रोड शो

लखनऊ । यूपी में चौथे चरण का मतदान 2 फरवरी को होना है उसके लिए प्रचार के अंतिम दिन कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा सोमवार को नबाबों के शहर लखनऊ में घोषित पार्टी प्रत्याशियों के समर्थन में रोड शो किया। प्रियंका ने बख्शी का तालाब विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस उम्मीदवार ललन कुमार के समर्थन में चिनहट इलाके में रोड शो की शुरुआत की। इस दौरान समर्थकों ने उन पर फूलों की वर्षा की और लोगों ने भी उनका स्वागत किया। कुमार ने बताया कि इस दौरान प्रियंका ने मौके पर मौजूद लड़कियों और महिलाओं को लड़की हूं, लड़ सकती हूं लिखे रिस्ट बैंड भी दिए। प्रियंका का यह रोड शो लखनऊ के विभिन्न इलाकों से होकर गुजरा।

लखीमपुर हिंसा में मारे गए किसानों के परिजन शीर्ष कोर्ट पहुंचे, आशीष मिश्रा की जमानत का विरोध

नई दिल्ली । यूपी के लखीमपुर हिंसा में मारे गए किसानों के परिजनों ने सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है। मृतक किसानों के परिजनों ने शीर्ष अदालत में लखीमपुर कांड के आरोपी आशीष मिश्रा को जमानत मिलने का विरोध किया है। आशीष मिश्रा को इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ बेंच ने जमानत दे दी थी। अदालत के इस फैसले के बाद ही किसानों के परिजनों ने फैसले का विरोध किया था और इस आदेश को चुनौती देने की बात कही थी। बीते साल 3 अक्टूबर को लखीमपुर में तीन कृषि कानूनों का विरोध कर रहे किसानों पर भाजपा नेताओं के काफिले की एक कार चढ़ गई थी। इस कांड में केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा के बेटे आशीष मिश्रा का नाम सामने आया था। कई दिनों बाद आशीष मिश्रा की गिरफ्तारी हुई थी और फिर उसे जेल भेजा गया था।

लखीमपुर खीरी कांड के पीड़ित परिवारों ने सुप्रीम कोर्ट से की आशीष की बेल रद्द करने की मांग

नई दिल्ली । उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी में मारे गए किसानों के परिवारों ने सुप्रीम कोर्ट से आरोपी आशीष मिश्रा की जमानत खारिज करने की गुहार लगाई है। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा टेनी के पुत्र आशीष मिश्रा पर किसानों की हत्या करवाने का आरोप है। मामले में उनकी गिरफ्तारी भी हुई, हालांकि पिछले दिनों वो बेल पर जेल से रिहा हो गए। आशीष मिश्रा को अदालत ने उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के पहले चरण के मतदान से ठीक पहले जमानत दी थी। हालांकि, रिहाई की प्रक्रिया में कुछ दिनों का समय लगा और वह 15 फरवरी को जेल से बाहर आ सका। इस मामले पर खूब राजनीति भी हुई। विपक्ष ने आरोप लगाया कि वोटिंग से ठीक पहले आशीष मिश्रा को जमानत दिए जाने का निहित संदेश है। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने भी कहा कि जिसने किसानों को गाड़ी से कुचला, वो अब खुला घूमेगा। ध्यान रहे कि बीते साल तीन अक्टूबर को लखीमपुर खीरी के तिकुनिया में हुई घटना में चार किसान, एक पत्रकार, एक ड्राइवर और दो भाजपा कार्यकर्ता की मौत हो गई थी। इस मामले की जांच के लिए एसआईटी का गठन किया जिसने आशीष मिश्रा उर्फ मोनू समेत 15 आरोपियों के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया। इस पर जिला जज की कोर्ट में सुनवाई चल रही है। काफी हो-हल्ले के बीच आशीष मिश्रा ने 10 अक्टूबर को सरेंडर किया था और तभी से वह जेल में था। उसने जिला जज की अदालत से कई बार जमानत मांगी, लेकिन हर बार उसकी जमानत अर्जी खारिज होती रही। फिर उसने जमानत के लिए लखनऊ हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया जहां से कोर्ट ने 10 फरवरी को जमानत मिल गई। उसने जिला जज की अदालत से कई बार जमानत मांगी, लेकिन हर बार उसकी जमानत अर्जी खारिज होती रही। फिर उसने जमानत के लिए लखनऊ हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया जहां से कोर्ट ने 10 फरवरी को जमानत मिल गई।

कर्नाटक में बजरंग दल के कार्यकर्ता की हत्या पर राजनीति, डीके बोले इसका हिजाब विवाद से संबंध नहीं

बेंगलुरु। कर्नाटक के शिमोगा में कुछ अज्ञात लोगों ने दिनदहाड़े बजरंग दल के 23 वर्षीय कार्यकर्ता की चाकू मार कर हत्या कर दी। बजरंग दल के 23 वर्षीय कार्यकर्ता की रविवार रात हत्या के बाद कर्नाटक के शिमोगा जिले में धारा 144 लागू कर दी गई है। भाजपा ने आरोप लगाया कि हिजाब विवाद की वजह से हत्या को अंजाब दिया गया है। उधर, कर्नाटक कांग्रेस अध्यक्ष डीके शिवकुमार ने कहा कि 23 वर्षीय बजरंग दल कार्यकर्ता की हत्या का हिजाब विवाद से कोई संबंध नहीं है। उन्होंने मंत्री ईश्वरप्पा को बर्खास्त करने की मांग की। उन्होंने हत्या के कर्नाटक में चल रहे हिजाब विवाद से जुड़े होने की किसी भी अटकल को भी खारिज कर दिया। बजरंग दल के कार्यकर्ता की हत्या के लिए मुस्लिम गुंडों को प्रोत्साहित करने का भाजपा नेता केएस ईश्वरप्पा ने आरोप लगाया था। ईश्वरप्पा के बयान पर प्रतिक्रिया करते हुए डीके शिवकुमार ने कहा उनके पास सामान्य ज्ञान नहीं है। उन्होंने पहले ही भारतीय ध्वज का उल्लंघन किया है। उनके खिलाफ मामला दर्ज किया जाना चाहिए और बर्खास्त किया जाना चाहिए। उन्होंने देश और राष्ट्रीय ध्वज का अपमान किया है। शिवकुमार ने कहा कि हत्या का हिजाब विवाद से कोई लेना-देना नहीं है। यह दो समूहों के बीच व्यक्तिगत दुश्मनी का परिणाम है। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने इस घटना को लेकर गृह मंत्री अरागा ज्ञानेंद्र के इस्तीफे की मांग की। उन्होंने कहा कि मैं इस हत्या की निंदा करता हूं। कांग्रेस अहिंसा में विश्वास करती है। उन्होंने कहा कि दोषियों को तुरंत सजा मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि दोषियों को तुरंत सजा मिलनी चाहिए।

केंद्रीय मंत्री सिंधिया बोले- दो माह में कोरोना पूर्व स्तर पर पहुंच जाएगी घरेलू उड़ानों के यात्रियों की संख्या

नई दिल्ली ।

केंद्रीय नागर विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया घरेलू उड़ान सैवाओं को लेकर काफी आशांवित हैं। सिंधिया ने कहा है कि अगले दो माह में घरेलू उड़ानों के हवाई यात्रियों की संख्या कोविड-पूर्व के स्तर पर पहुंच जाएगी। उन्होंने राज्यों से जेट ईंधन (एटीएफ) पर कर कम करने का भी आग्रह किया ताकि देश के विमानन क्षेत्र को प्रोत्साहन दिया जा सके। कोविड महामारी से पहले घरेलू एयरलाइंस के जरिये प्रतिदिन चार लाख लोग यात्रा करते थे। महामारी की दूसरी लहर के बाद यात्रियों की संख्या बढ़ी थी लेकिन नए स्वरूप ओमिक्रोन के आने के बाद इसमें गिरावट आनी शुरू हो गई। सिंधिया ने कहा कि क्षमता और किराये की सीमा इसलिए लगाई गई थी जिससे ऐसा वातावरण बनाया जा सके जिसमें सभी खिलाड़ी टिके रह सकें और सभी को कुछ बाजार हिस्सेदारी और राजस्व प्राप्त हो सके। एयरलाइंस को 18 अक्टूबर, 2021 से पूरी क्षमता से परिचालन की अनुमति दी गई थी। अखिल भारतीय प्रबंधन संघ (आइमा) के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सिंधिया ने कहा, 'नवंबर, दिसंबर में हमने प्रतिदिन 3.8 से 3.9 लाख यात्रियों की संख्या को छू लिया और यह कोविड-पूर्व के स्तर के पास था। लेकिन ओमीक्रोन के बाद यात्रियों की संख्या घटकर 1.6 लाख प्रतिदिन पर आ गई। इसमें करीब 65 से 70 प्रतिशत की गिरावट आई।' सिंधिया ने बताया कि रविवार को (डीजीसीए) के आंकड़ों के अनुसार, पिछले महीने घरेलू एयरलाइंस ने 64.08 लाख यात्रियों को यात्रा कराई थी, (डीजीसीए) के आंकड़ों के अनुसार, पिछले महीने घरेलू एयरलाइंस ने 64.08 लाख यात्रियों को यात्रा कराई थी, जो एक साल पहले की समान अवधि की तुलना में 17.14 प्रतिशत की गिरावट है। पिछले साल जनवरी में हवाई यात्रियों की संख्या 77.34 लाख रही थी।

गब्बर सिंह का डायलॉग सुना बोले दिल्ली के सीएम कुमार विश्वास पर तंज

लखनऊ । दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के मुख्यमंत्री ने आतंकवादी की एक नई किस्म बताते हुए कहा है कि वह ऐसे आतंकी हैं जिससे भ्रष्टचारी डरते हैं। इस दौरान उन्होंने शोले फिल्म में गब्बर सिंह के मशहूर डायलॉग का भी अपने तरीके से इस्तेमाल किया। चार दिन के मिशन यूपी पर सोमवार को लखनऊ पहुंचे दिल्ली के सीएम ने अपने पुराने सहयोगी और आप के संस्थापक सदस्यों में शामिल रहे कवि कुमार विश्वास पर भी तंज कसा। अरविंद केजरीवाल ने कहा, आतंकवादी दो तरह के होते हैं, एक वह आतंकवादी होता है जो जनता को डराता है और एक वो आतंकवादी होता है जो भ्रष्टाचारियों को डराता है। केजरीवाल वह आतंकवादी है जो भ्रष्टाचारियों को डराता है। वह शोले फिल्म में डायलॉग है ना जब सौ-सौ मील तक बच्चा भ्रष्टाचार करता है तो मां कहती है बेटा सो जा नहीं तो केजरीवाल आ जाएगा। आप के पूर्व नेता कुमार विश्वास की ओर से पंजाब में खालिस्तानी अलगावावादियों से मदद लेने के लगाए गए आरोपों पर पलटवार करते हुए केजरीवाल ने कहा, बीजेपी ने सारी एजेंसियों के छापे पड़वाए लेकिन उनको कुछ नहीं मिला। मेरे पूछने पर उन्होंने कहा कि गाजियाबाद में कोई कवि है जिसने बताया कि केजरीवाल आतंकवादी है। मोदी जी सारी एजेंसियों हटाइए और उस कवि को रखिए। वह बताएंगे कि कौन आतंकवादी है। पहले देश के सारे किसानों का आतंकवादी कहा। और अब सारे गरीब साइकिल चलाने वालों को आतंकवादी कह रहे हैं।

नागरिकों के मौलिक कर्तव्यों को लागू करने की मांग वाली याचिका पर केंद्र व राज्यों को नोटिस

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने संविधान के अनुच्छेद 51ए में निर्धारित मौलिक कर्तव्यों को लागू करने की मांग वाली जनहित याचिका पर केंद्र और राज्य सरकारों से जवाब मांगा है। अधिवक्ता करुणाकर महलिक के माध्यम से अधिवक्ता दुर्गा दत्त ने यह याचिका दायर की है। याचिका में कहा गया है कि न्यायपालिका सहित कई संस्थानों की एकता और अखंडता की रक्षा के लिए मौलिक कर्तव्य एक महत्वपूर्ण कारक हैं। याचिका में कहा गया है कि प्रत्येक नागरिक को सीखना चाहिए कि देश की संस्थाओं का सम्मान कैसे किया जाता है और ऐसे मामले भी सामने आए हैं जहां कानून के अधिकारियों सहित लोगों द्वारा मौलिक कर्तव्यों का बेशर्मी से उल्लंघन किया गया है। दत्त की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता रंजीत कुमार ने न्यायमूर्ति संजय किशन कौल की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष कहा कि इस मामले में नोटिस जारी किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा हर कोई अधिकारों के लिए संघर्ष कर रहा है और किसी को भी मौलिक कर्तव्यों की परवाह नहीं है और भारत संघ के रुख को समझना महत्वपूर्ण है। दलीलें सुनने के बाद बेंच में जस्टिस एमएम सुंदरेश ने केंद्र और राज्य सरकारों को नोटिस जारी किया है।

अपतटीय पवन परियोजनाओं के विकास के लिए टाटा पावर, आरडब्ल्यूई के बीच समझौता

नई दिल्ली ।

ऊर्जा क्षेत्र का प्रतिष्ठित कंपनी टाटा पावर ने भारत में अपतटीय पवन परियोजनाओं के संयुक्त विकास की संभावनाएं तलाशने के लिए जर्मनी की आरडब्ल्यूई रिन्यूएबल जीएमबीएच के साथ समझौता किया है। इस बारे में टाटा पावर की 100 प्रतिशत अनुषंगी टाटा पावर रिन्यूएबल एनर्जी लि. ने आरडब्ल्यूई रिन्यूएबल जीएमबीएच से सहमति ज्ञापन (एमओयू) किया है। टाटा पावर रिन्यूएबल एनर्जी देश की सबसे बड़ी एकीकृत बिजली कंपनियों में से है वहीं आरडब्ल्यू रिन्यूएबल जीएमबीएच अपतटीय पवन परियोजना क्षेत्र की अग्रणी कंपनी है।

बयान में कहा गया है कि भारत एक ऐसा बाजार है जिसका पूरा उपयोग नहीं हुआ है। यह अपतटीय पवन परियोजनाओं के विकास के लिए एक आकर्षक बाजार है। भारत की तटरेखा 7,600 किलोमीटर है। सरकार ने 2030 तक 30,000 मेगावॉट की अपतटीय पवन ऊर्जा की स्थापित क्षमता का लक्ष्य तय किया है। यह एमओयू इस दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण हो जाता है। टाटा पावर के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) प्रवीर सिन्हा ने कहा 'आरडब्ल्यूई हमारे लिए आदर्श भागीदार है। टाटा पावर के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) प्रवीर सिन्हा ने कहा 'आरडब्ल्यूई हमारे लिए आदर्श भागीदार है। इसके जरिये टाटा पावर को अपने अपतटीय पवन कारोबार को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी। आरडब्ल्यूई के पास अपतटीय पवन परियोजनाओं के परिचालन की वैश्विक विशेषज्ञता है।'

हिंसा नहीं, सामान्य जीवन जीना चाहते हैं कश्मीर के युवा : ले. जनरल पांडे

श्रीनगर ।

चिनार कोर के जीओसी लेफ्टनेंट जनरल डीपी पांडे ने कहा कि बहुत जल्द कश्मीर के हालात पहले की तरह सामान्य और शांतिपूर्ण हो जाएंगे। घाटी में अब आतंकवाद समाप्ति की ओर है। यहां के युवाओं को अब यह बात समझ आ गई है कि पाकिस्तान उन्हें अपने फायदे के लिए इस्तेमाल कर रहा है। कश्मीर के नाम पर उन्हें बलि का बकरा बनाया जा रहा है। वे अब आतंकवाद के रास्ते पर नहीं बल्कि एक सामान्य जीवन की तलाश में हैं।

चिनार कोर के जीओसी लेफ्टनेंट जनरल पांडे ने कहा कि इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि कश्मीर में आतंकियों की भर्ती में काफी कमी आई है। आतंकवादी संगठन अपने सहयोगियों की मदद से युवाओं को कथित जेहाद का पाठ पढ़ाकर संगठनों में भर्ती करने का प्रयास कर रहे हैं परंतु अब युवा उनकी बातों में न आकर एक आम नागरिक का जीवन जीने की इच्छा जाहिर कर रहे हैं। आपको बता दें कि पिछले दिनों सुरक्षाबलों ने घाटी में जैश-ए-मोहम्मद के बहुत बड़े माड्यूल का भंडाफोड़ किया था।

ये लोग स्कूल-कालेजों के छात्रों को संगठन में शामिल करने का काम करते थे। इन ओवर ग्राउंड वर्करों से पूछताछ के आधार पर और भी कई गिरफ्तारियां की जा रही हैं। लेफ्टिनेंट जनरल डीपी पांडे ने कहा पिछले सालों से तुलना करें तो घाटी में आतंकी संगठनों की भर्ती में कमी दर्ज की गई है। यही नहीं कश्मीर में जो आतंकवादी संगठन सक्रिय हैं ।

बाराबंकी में चुनाव प्रचार में कांग्रेस ने झोंकी पूरी ताकत, जैदपुर में पायलट ने की जनसभा

बाराबंकी ।

कांग्रेस ने उत्तर प्रदेश में अपनी प्रत्याशियों के पक्ष में माहौल बनाने के लिए चुनाव प्रचार तेज कर दिया है। बाराबंकी जिले में 27 फरवरी को मतदान होना है और इससे पहले कांग्रेस ने अपने स्टार प्रचारकों को चुनाव प्रचार में उतार दिया है। सोमवार को बाराबंकी जनपद के जैदपुर विधानसभा में राजस्थान के पूर्व डिप्टी सीएम और स्टार प्रचारक सचिन पायलट ने एक बड़ी जनसभा को संबोधित किया। जैदपुर विधानसभा सीट से कांग्रेस के दिग्गज नेता पीएल पुनिया के बेटे तनुज पुनिया पार्टी प्रत्याशी हैं। सचिन पायलट ने जनसभा को संबोधित करते हुए विपक्षी दलों पर जमकर निशाना साधा। साथ ही जिले के पार्टी प्रत्याशियों के पक्ष में लोगों से वोट करने की अपील की। उत्तर प्रदेश में हो रहे विधानसभा चुनाव के चौथे चरण का चुनाव प्रचार आज समाप्त हो रहा है। सभी दलों के दिग्गज नेता पांचवें चरण के विधानसभा चुनाव प्रचार में जुट गए हैं। वहीं, जैदपुर विधानसभा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी तनुज पुनिया के पक्ष में प्रचार करने के लिए राजस्थान के पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट जैदपुर कस्बा पहुंचे। इस दौरान योगी सरकार पर निशाना साधते हुए सचिन पायलट ने कहा कि योगी की सरकार की नींव को कमजोर करने का काम किसी ने किया है वह प्रियंका हैं। पिछले 3 सालों में हाथरस, उन्नाव, लखीमपुर और जहां-जहां अत्याचार- उत्पीड़न हुआ उस जगह पर वह सबसे पहले पहुंची। इस परफॉर्मेंस का 10 मार्च को कितना लाभ मिलेगा कांग्रेस को यह पता चलेगा।

योगी की हार तय, पैकर्स एंड मूवर्स को बुलाया है, 11 मार्च का खरीद लिया है टिकट : अखिलेश

हरदोई ।

यूपी विधानसभा के लिए चौथे चरण का मतदान 23 फरवरी को होगा प्रचार के अंतिम दिन समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा की ऐतिहासिक पराजय का दावा करते हुए सोमवार को कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपना सामान गोरखपुर ले जाने के लिए 'पैकर्स ऐंड मूवर्स' को बुलाया है और 11 मार्च का हवाई टिकट भी खरीद लिया है। अखिलेश ने हरदोई के संडीला में सपा गठबंधन के प्रत्याशियों के समर्थन में आयोजित चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए चुनाव में भाजपा की ऐतिहासिक पराजय होने का दावा किया। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर निशाना साधते हुए कहा, अभी सुनने को मिला है कि हमारे सीएम (मुख्यमंत्री) ने पीएम को बुलाया है। पीएम का मतलब पैकर्स ऐंड मूवर्स से है, जो लोगों के घर के सामान को एक जगह से दूसरी जगह पहुंचाते हैं। उन्होंने योगी पर हमले जारी रखते हुए कहा, हारने वाला पहलवान ही खिसियाता है। आपने बाबाजी की शक्ल देखी है। बताइए उस पर 12 बज गए कि नहीं। अब तो गोरखपुर वाले भी उनके लिए एक गाना गाने लगे हैं। आपने देखा होगा कि प्रधानमंत्री ने जब से उन्हें पैदल किया तब से वह लगे थे कि हम कहां से चुनाव लड़ेंगे लेकिन जनता ने उन्हें अपने घर गोरखपुर भेज दिया और सुनने में आया है कि उन्होंने 11 तारीख की हवाई जहाज का टिकट भी खरीद लिया है। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, भाजपा के लोग नहीं समझ पा रहे हैं कि इनके खिलाफ जनता में 440 वोल्ट का करंट चल रहा है। आपने इनके बयान देखे होंगे जिन नेताओं की बदली है, वे जनता का समर्थन नहीं पा रहे हैं और इस बार जनता ने इनकी खड़ी कर दी है खटिया, इसीलिए इनके बयान आ रहे हैं घटिया। गौरतलब है कि विधानसभा चुनाव में भाजपा परिवारवाद व गुंडाराज फैलाने और आतंकवाद को प्रश्रय देने के आरोप लगाकर सपा पर काफी हमलावर है। अखिलेश ने बहुजन समाज पार्टी (बसपा) पर भी करारा हमला करते हुए कहा कि इस पार्टी का कोई भरोसा नहीं कि वह कब किससे जा मिले। उन्होंने बसपा के चुनाव निशान हाथी का जिक्र करते हुए कहा, जो हाथी पर बैठे हैं, वे कहीं भी जा सकते हैं क्योंकि उनके गुरु भाजपा में बैठे हैं। अखिलेश ने दावा किया, हम बहुमत की सरकार बना रहे हैं। हमने पहले और दूसरे चरण में ही शतक लगा दिया है और तीसरे, चौथे में दूसरा शतक लग जाएगा। बाकी जितने चरण बचेंगे उनमें समाजवादी पार्टी और गठबंधन ऐतिहासिक जीत हासिल करने जा रहा है।

इस बार जनता इस बात को लेकर खुद में होड़ कर रही है कि किस चरण में भाजपा को ज्यादा बुरी तरह से हराया जाए। सपा अध्यक्ष ने भाजपा पर किसानों से छल करने का आरोप लगाते हुए कहा कि इस पार्टी ने वर्ष 2022 तक किसानों की आमदनी दोगुनी करने का वादा किया था लेकिन वह झूठा साबित हुआ। उन्होंने कहा कि उल्टे सरकार ने किसानों की खाद की बोरी से पांच किलो खाद चोरी कर ली। उन्होंने शिक्षामित्रों का जिक्र करते हुए कहा कि सपा सरकार ने ही उनकी सबसे ज्यादा मदद की थी ।

कोरोना काल में करोड़पतियों की संख्या में इजाफा

नई दिल्ली । कोरोनाकाल में भले ही अर्थव्यवस्था के सुस्त पड़ने की बात की जाती रही हो पर इस संकट के समय को भी कुछ अमीरों ने अवसरों में बदल लिया। इस दौरान भारी संख्या में लोगों को नौकरी से हाथ धोना पड़ा और आर्थिक संकट का सामना करना पड़ा। दूसरी ओर, कई ऐसे लोग रहे, जिनकी संपत्ति में भारी बढ़ोतरी देखने को मिली। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि कोविड-19 महामारी से प्रभावित वर्ष 2021 में भारत में 'डॉलर मिलियनरी' यानी सात करोड़ रुपये से अधिक की निजी संपत्ति वाले व्यक्तियों की संख्या 11 फीसदी बढ़कर 4.58 लाख हो गई। हालांकि, इस दौरान निजी और पेशेवर जीवन में खुद को खुश बताने वालों की संख्या में गिरावट आई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि खुद को खुश बताने वालों की संख्या कम होकर पिछले साल 66 फीसदी रह गई, जो 2020 में 72 फीसदी रही थी। रिपोर्ट के ये निष्कर्ष ऐसे समय में आए हैं, जब भारत में अमीरों एवं गरीबों के बीच बढ़ती असमानता को लेकर चिंता बढ़ रही है। हाल में एक और रिपोर्ट में भी इस असमानता पर चिंता जताई गई थी। बेहद अमीर लोगों पर अधिक टैक्स लगाने की लगातार तेज होती मांग के बीच इस सर्वेक्षण में शामिल एक-तिहाई से भी कम लोगों का ही यह मानना है कि अधिक टैक्स चुकाना सामाजिक जिम्मेदारी का एक निर्धारित अवयव है। रिपोर्ट के मुताबिक, वर्ष 2026 तक भारत में 'डॉलर मिलियनरी' की संख्या 30 फीसदी बढ़कर छह लाख तक पहुंच जाएगी। रिपोर्ट कहती है कि मुंबई में सबसे अधिक 20,300 डॉलर मिलियनरी हैं। इसके बाद दिल्ली में 17,400 और कोलकाता में 10,500 डॉलर मिलियनरी परिवार हैं। इस सर्वेक्षण में शामिल दो-तिहाई से अधिक डॉलर मिलियनरी ने कहा कि वे अपने बच्चों को शिक्षा के लिए विदेश भेजना पसंद करेंगे, जिसमें अमेरिका उनकी पहली पसंद है। एक चौथाई डॉलर मिलियनरी की पसंदीदा कार मर्सिडीज बेंज है और वे हर तीन साल में अपनी कारों को बदलते हैं।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

ग्रीष्मा हत्या केस में चार दिन के भीतर 2500 पन्ने की चार्जशीट कोर्ट में दाखिल

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत,सूरत के पासोदरा में ग्रीष्मा हत्याकेस में चार दिन के भीतर पुलिस ने चार्जशीट कोर्ट में आज दाखिल कर दी। 2500 पन्नों की चार्जशीट में 190 गवाह और 27 प्रत्यक्षदर्शियों का बयान भी इसमें कलमबद्ध है।आरोपी फेनिल की गिरफ्तारी के चार दिन में पुलिस ने कड़ी कार्यवाही की और उससे पूछताछ के बाद यह चार्जशीट फाइल की है। बता दें कि गत 12 फरवरी को सूरत के पासोदरा में फेनिल नामक युवक ने ग्रीष्मा की सरेआम गले रेत कर हत्या कर दी थी। ग्रीष्मा को बचाने का प्रयास कर रहे उसके भाई और चाचा को भी तीक्ष्ण हथियार से वार कर घायल कर दिया था। बाद में फेनिल ने नस काटकर आत्महत्या का प्रयास किया था। अस्पताल से 15 फरवरी को फेनिल को डिस्चार्ज किए जाने के बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर कड़ी पूछताछ की। हत्या के लिए फेनिल ने 6 जनवरी को चाकू खरीदा था। पुलिस को फेनिल के मोबाइल की जांच में चौंकानेवाली जानकारी जानकारी मिली है। फेनिल ने हत्या के तरीकों के बारे में कई दफा सर्च किया था। इतना ही नहीं उसने वेबसाइट पर एके-47 राइफल प्राप्त करने के बारे में जांच की थी। गला रेत कर किस प्रकार हत्या की जाए,यह सोशल मीडिया में फेनिल ने देखा था। इसके अलावा क्राइम पेट्रोल की अलग अलग एपिसोड भी देखे थे। जांच में यह भी सामने आया कि हत्या के तरीकों के बारे में फेनिल पिछले कई दिनों से 30 से भी ज्यादा वेबसाइट पर सर्च कर रहा था। पुलिस को यह महत्वपूर्ण सबूत एफएसएल की मदद से मिले हैं। इसके अलावा घटनास्थल पर वीडियो बनाने वाले लोगों के फोन से भी पुलिस ने वीडियो क्लीप प्राप्त कर उसे बतौर सबूत पेश किया है। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे के फूटेज को भी पुलिस ने सबूत बनाया है। फेनिल ने ग्रीष्मा की हत्या के लिए फ्लीपकार्ट पर एक चाकू ऑर्डर किया था, लेकिन उसके विलंब से मिलने के कारण ऑर्डर कैंसल कर दिया था।

इसके सबूत भी पुलिस को फेनिल के मोबाइल फोन से मिले हैं। बाद में फेनिल ने एक मॉल से चाकू खरीदा था, जिससे ग्रीष्मा की हत्या की थी। पुलिस ने हत्या में उपयोग किया गया चाकू भी बरामद कर लिया है।

पलसाणा में 11 साल की किशोरी से दुष्कर्म और हत्या के आरोप में एक आरोपी गिरफ्तार

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत,सूरत के पलसाणा में 11 वर्षीय किशोरी के साथ दुष्कर्म और हत्या के मामले में पुलिस ने दयाराम नामक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। जबकि अन्य एक आरोपी को हिरासत में लेकर पुलिस पूछताछ कर रही है। जानकारी के मुताबिक सूरत के पलसाणा तहसील से जोळवा में 11 वर्षीय किशोरी अपने घर में अकेली थी। उस वक्त एक शख्स बहला फुसला कर अपने साथ ले गया और खंडहर जैसे कमरे में उसके साथ दुष्कर्म किया। दुष्कर्म के बाद लहुलूहान किशोरी कराह रही थी और आरोपी उसे कमरे में बंद कर वहां से भाग निकला। काम से घर लौटे माता-पिता अपनी बेटी को न देख उसकी खोजबीन शुरू कर दी। खंडहर जैसे कमरे के बाहर ताला देख उसमें देखा तो बेटी दर्द से कराह रही थी। तुरंत कमरे का ताला तोड़ किशोरी को कडोदरा के एक निजी अस्पताल में ले गए7 लेकिन वहां डॉक्टर के उपस्थित नहीं होने से किशोरी को चलथाण के अस्पताल ले गए। लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। किशोरी ने रास्ते में ही दम तोड़ दिया था। पुलिस ने किशोरी से दुष्कर्म और हत्या के आरोप में दयाराम नामक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। जबकि अन्य एक संदिग्ध शख्स को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की है।

मुख्यमंत्री का ऑनलाइन जन शिकायत निवारण संबंधी राज्यस्तर का 'स्वागत' कार्यक्रम २४ फरवरी को होगा

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल गुरुवार, 24 फरवरी को गांधीनगर में राज्यस्तर के 'स्वागत' ऑनलाइन जन शिकायत निवारण कार्यक्रम में प्रार्थियों से रूबरूहोकर उनकी शिकायतों एवं समस्याओं को सुनेंगे तथा उसके उचित समाधान के लिए जरूरी कार्यवाही करेंगे। उल्लेखनीय है कि नागरिकों की शिकायतों और मुद्दों का तकनीक के माध्यम से संवाद व मार्गदर्शन के मार्फत निवारण का यह स्वागत 'स्टेट वाइड अटेंशन ऑन पब्लिक ग्रिवेंसिस बाई एप्लीकेशन टेक्नोलॉजी' कार्यक्रम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात में अपने मुख्यमंत्रित्व काल के दौरान 2003 से शुरू कराया है। इतना ही नहीं, इस स्वागत कार्यक्रम को सुशासन तथा जनता की समस्याओं के सुचारू निवारण की श्रेष्ठता के संबंध में संयुक्त राष्ट्र (यूएन) के पब्लिक सर्विस अवॉर्ड सहित कई अन्य पुरस्कार भी प्राप्त हुए हैं। इस 'स्वागत' कार्यक्रम के अंतर्गत हर महीने के चौथे गुरुवार को आयोजित होने वाले 'राज्य स्वागत' में मुख्यमंत्री नागरिकों की शिकायतें सुनते हैं। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल गुरुवार दोपहर 3 बजे स्वर्णिम संकुल-2 के भूतल पर अद्यतन टेक्नोलॉजी से सुसज्जित विशाल बैठक क्षमता के साथ नवनिर्मित स्वागत कक्ष में आयोजित 'राज्य स्वागत' कार्यक्रम में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री इस 'राज्य स्वागत' कार्यक्रम के बाद जिला स्तर पर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सहभागी बने जिला अधिकारियों का मार्गदर्शन भी करेंगे। वैश्विक महामारी कोरोना के संक्रमण के कारण स्थगित रहा यह 'राज्य स्वागत' कार्यक्रम लंबे अंतराल के बाद अब आगामी गुरुवार, 24 फरवरी को फिर से आयोजित होने जा रहा है।

कांग्रेस के पूर्व विधायक समेत २०० कार्यकर्ता भाजपा शामिल,आज जयराजसिंह जॉइन करेंगे

गुजरात में इस वर्ष के आखिर में होनेवाले विधानसभा चुनाव से पहले दल बदल का सिलसिला शुरू हो गया है। कुछ समय पहले कांग्रेस और आम आदमी पार्टी (आप) के कई लोगों ने भाजपा जॉइन की थी। आज कांग्रेस के पूर्व विधायक हीराभाई पटेल समेत 200 कार्यकर्ताओं ने भाजपा का भगवा धारण कर लिया। हीराभाई पटेल के साथ ही कांग्रेस के पूर्व प्रवक्ता भरत देसाई ने भी आज भाजपा जॉइन कर ली। पटेल समाज की चुनावों में निर्णायक भूमिका होती है, ऐसे में 52 पाटीदार समाज के प्रमुख बाबूभाई पटेल के साथ महीसागर पाटीदार सेवा ट्रस्ट प्रमुख महेश पटेल भी भाजपा में शामिल हो गए। 52 पाटीदार समाज के अग्रणी गिरीश पटेल समेत समाज के पूर्व पदाधिकारियों ने भी भाजपा का भगवा धारण किया है। इसके अलावा सामाजिक अग्रणी और लूणावाडा स्कूल संचालकों ने भी भाजपा जॉइन कर ली। बता दें कि मंगलवार को गुजरात प्रदेश कांग्रेस के पूर्व प्रवक्ता जयराजसिंह परमार भी भाजपा का भगवा धारण कर लेंगे। पिछले सप्ताह ही जयराजसिंह परमार ने कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया था और उसके बाद मंगलवार को भाजपा में शामिल होने की जानकारी दी थी।